www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 58 || लखनऊ
गुरूवार
28 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:14
सूर्यास्तः 06:54
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 24°00

» पेज 07

विशेष समाचार | क्या आम आदमी विकास से ... »पेज 04 | बच्चे को बेचने जा रहे... »पेज 06 | दावा : करिश्मा के बच्चों की ...

लाठी-पत्थर बरसाए, गाड़ी तोड़ी, पूर्व केरलम सीएम की बेटी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप, घर पर रेड

पूर्व सीएम विजयन के घर ईडी पर हमला

बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति में बुधवार को उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम पर पूर्व मुख्यमंत्री Pinarayi Vijayan के समर्थकों ने हमला कर दिया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ED की कार्रवाई के दौरान भारी हंगामा हुआ और अधिकारियों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई।

घटना के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जानकारी के मुताबिक, ED की 12 सदस्यीय टीम बुधवार सुबह करीब 7 बजे तिरुवनंतपुरम के बेकरी जंक्शन स्थित विजयन के किराए के घर सहित कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची थी। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और CMRL मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत की गई। छापेमारी के समय पिनारई विजयन और उनके परिवार के सदस्य घर में मौजूद थे। ED की कार्रवाई की सूचना मिलते ही विजयन समर्थकों और सीपीआई कार्यकर्ताओं की भीड़ उनके घर के बाहर जमा होने लगी। शुरुआत में स्थिति सामान्य रही, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, माहौल तनावपूर्ण होता गया। दोपहर करीब 2 बजे जब ED की टीम तलाशी पूरी कर बाहर निकलने लगी, तभी वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों को घेर लिया। आरोप है कि भीड़ ने ED अधिकारियों की गाड़ियों पर पत्थर और बोतलें फेंकीं।

» (शेष पेज 06 पर)

4 शहरों में विजयन के 10 ठिकानों पर रेड

- **तिरुवनंतपुरमः** बेकरी जंक्शन स्थित पूर्व मुख्यमंत्री पिनारई विजयन के किराए के घर पर रेड। यहां उनकी बेटी वीणा विजयन भी रहती हैं।
- **कन्नूरः** पिनारई विजयन का पुश्तैनी घर पर।
- **कोझिकोडः** विजयन के दामाद और माकपा विधायक पी.ए. मोहम्मद रियास के घर पर छापा।
- **अलुवाः** सीएमआरएल कंपनी के कॉर्पोरेट ऑफिस और कंपनी के एमडी शशिधरन कार्था के घर भी छापा।

दोपहर में ED की टीम जब घर से निकलने लगी तो CPI समर्थकों ने उनकी कारों को घेर लिया।

पत्थर मारने से कार के पीछे का ग्लास टूट गया। पुलिसकर्मियों ने कार को भीड़ से बचाकर आगे निकाला।

बेटी की कंपनी से जुड़ी रेड, 7 साल पुराना है मामला

ED ने यह रेड विजयन की बेटी टी वीणा की कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। वीणा की 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (CMRL) ने साल 2018-19 में ₹1.72 करोड़ मंथली पेमेंट के तौर पर दिए, लेकिन इसके बदले एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस ने कोई सर्विस नहीं दी।

ED का मानना है कि यह लेन-देन संदिग्ध है। CMRL और एक्सालॉजिक के बीच हुए इस भुगतान को लेकर पहले इनकम टैक्स विभाग ने भी सवाल उठाए थे।

बाद में इसी आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है।

विजयन ने केंद्र सरकार और राहुल गांधी पर साधा निशाना

ED की कार्रवाई के बाद पिनारई विजयन का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि काफी समय से केंद्रीय एजेंसियां उनके घर की तलाशी लेना चाहती थीं। विजयन ने तंज कसते हुए कहा कि इस कार्रवाई से कुछ लोगों को, खासकर Rahul Gandhi को काफी संतुष्टि मिली होगी। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी लगातार सवाल उठा रहे थे कि मेरे घर पर छापा क्यों नहीं पड़ रहा है।

"बताया जा रहा है कि ईडी की यह कार्रवाई कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में की जा रही है। एजेंसी ने वर्ष 2024 में इस मामले में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज किया था। ईडी को शक है कि कुछ संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के जरिए अवैध धन के इस्तेमाल और हेरफेर का नेटवर्क बनाया गया। इसी सिलसिले में विभिन्न दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और बैंकिंग लेनदेन की जांच की जा रही है।"

विजयन की बेटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की टाइमलाइन

- **8 सितंबर 2023:** CMRL और वीणा विजयन की कंपनी एग्जालोजिक सॉल्यूशंस के बीच ₹1.72 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आया। आरोप लगा कि बिना किसी सेवा के भुगतान किया गया।
- **12 दिसंबर 2023:** इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट में इन पेमेंट्स को संदिग्ध बताया गया।
- **15 मार्च 2024:** SFIO ने मामले की जांच शुरू की और CMRL व एग्जालोजिक से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए।
- **28 मार्च 2024:** ED ने SFIO रिपोर्ट के आधार पर PMLA के तहत मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज किया।
- **18 अप्रैल 2025:** SFIO ने दावा किया कि वीणा विजयन और उनकी कंपनी को करीब ₹2.73 करोड़ मिले, लेकिन बदले में कोई सेवा नहीं दी गई।
- **18 अप्रैल 2025:** विपक्ष ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के इस्तीफे की मांग की। विजयन ने आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया।
- **27 मई 2025:** केरल हाईकोर्ट ने CBI जांच की मांग वाली PIL पर सुनवाई करते हुए पिनराई विजयन और वीणा विजयन से जवाब मांगा।
- **26 मई 2026:** केरल हाईकोर्ट ने ED जांच रद्द करने की CMRL की याचिका खारिज कर दी।
- **27 मई 2026:** ED ने पिनराई विजयन के घर समेत केरल में 10 जगहों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

टीएमसी सांसद काकोली का पार्टी के पदों से इस्तीफा

कोलकाता। बंगाल के बारासात से TMC सांसद काकोली घोष ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे लेटर में लिखा कि मानसिक संघर्ष और लंबे चिंतन के बाद यह फैसला लिया है।

हालांकि, वह आम कार्यकर्ता की तरह पार्टी से जुड़ी रहेंगी। काकोली घोष का इस्तीफा उस बैठक के बाद आया, जिसमें वे पश्चिम बंगाल के CM शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में कल्याणी में शामिल हुई थीं।

बताया जा रहा है कि TMC ने उन्हें बैठक में जाने से अनौपचारिक रूप से मना किया था। सूत्रों के मुताबिक, काकोली घोष के साथ कुछ और TMC नेता भी बैठक में पहुंचे थे। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि काकोली ने उनसे कहा- अब आखिरकार मुझे आजादी मिल गई।

वहीं भाजपा नेता सौमित्र खान ने दावा किया है।

गुजरात के कच्छ से 1180 करोड़ की कोकीन जब्त

ब्राजील से आई खेप दिल्ली भेजने की तैयारी थी, तीन विदेशी गिरफ्तार, एक फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

कच्छ (गुजरात)। गुजरात में कच्छ से करीब 1180 करोड़ रुपए कीमत की 118 किलो कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। अरेस्ट किए गए तीनों ही आरोपी विदेशी हैं। गुजरात DGP डॉ. केएलएन राव ने बताया कि सूचना मिलने के बाद इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस मुंद्रा पोर्ट पर एक संयुक्त ऑपरेशन चला रही थीं। इसी के तहत मंगलवार की सुबह भारतीय समुद्री सीमा से एक कंटेनर जहाज पकड़ा गया। जहाज ब्राजील, कई लैटिन अमेरिकी देशों, मेक्सिको, अमेरिका और कराची होते हुए गुजरात के तट तक पहुंचा था। जहाज में नाइजीरिया की नागरिकता वाले दो आरोपी सवार थे, जिनमें से एक समुद्र में कूदकर फरार हो गया। पकड़े गए एक आरोपी ने बताया कि खेप दिल्ली के द्वारका में रहने वाले दो लोगों तक पहुंचाई जाने वाली थी। इनकी पहचान क्लैविन चुकवुमा (तंजानिया का नागरिक) और ब्यारुहांगा जेम्स (युगांडा का नागरिक) के रूप में हुई है। दोनों को अरेस्ट कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

कच्छ में मुंद्रा पोर्ट से पकड़ी गई कोकीन की खेप।

» (शेष पेज 06 पर)

नोएडा-ग्रेटर नोएडा से जेवर एयरपोर्ट तक चलेगी सिटी बस

सीएम ने की परियोजना की समीक्षा, किराया 10 रुपए से शुरू

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में सिटी बस संचालन को लेकर बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने परियोजना के बारे में जानकारी ली। साथ ही जल्द से जल्द इसे आम जनता के लिए समर्पित करने के निर्देश दिए।

इन चार रूटों को किया गया फाइल

- सेक्टर-90 (डिपो), बॉटेनिकल गार्डन (प्रारम्भ बिंदु) से ग्रेटर नौएडा वेस्ट गौड़ चौक एक मूर्ति तक।
- सेक्टर-90 (डिपो), बॉटेनिकल गार्डन (प्रारम्भ बिंदु) से जेवर एयरपोर्ट तक।
- सेक्टर-90 (डिपो), बॉटेनिकल गार्डन (प्रारम्भ बिंदु) से सेक्टर-62 (अंतिम बिंदु)।
- सेक्टर-90 (डिपो), बॉटेनिकल गार्डन (प्रारम्भ बिंदु) से फेस-2 नोएडा, सूजरपुर कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा (अंतिम बिंदु)।
- इसके अलावा ये बस सरायकाले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और आईएसबीटी तक जाएंगी।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

अफ्रीकी देशों से अहमदाबाद आए 11 लोग आइसोलेशन में

बेंगलुरु। अफ्रीकी देशों में इबोला वायरस फैलने के चलते युगांडा, दक्षिण सूडान और कांगो से अहमदाबाद आए 11 मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के अधिकारी डॉ. भाविन सोलंकी ने बताया कि प्राथमिक जांच में इनमें से कोई भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। लेकिन, एहितायन यह कदम उठाया है।

मुंबई की एक और सोसायटी में बकरों को लेकर विवाद

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड इलाके की सोसायटी में बकरे की कुर्बानी के लिए बनाए शेड को लेकर हुए विवाद के बाद बुधवार को घाटकोपर इलाके में भी इसी मुद्दे पर विवाद हो गया। घाटकोपर की सागर पार्क हाउसिंग सोसाइटी में बकरे बाहर निकालने के लिए पुलिस पहुंची। यहां के रहवासियों ने बताया कि इस सोसायटी में करीब 25 बकरे हैं, जो बिना महानगर पालिका (BMC) की इजाजत के बिना कुर्बानी के लिए लाए गए हैं। यहां अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। घाटकोपर की सोसाइटी में बीजेपी नेता किरीट सौमैया भी पहुंचे हैं।

अवकाश की सूचना

28 मई ईद-उल-अजहा के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

28 मई, 2026 यानी गुरूवार को तमसा संकेत कार्यालय व प्रेस बंद रहेगा।
अतः अगला अंक 30 मई, 2026 शनिवार को प्रकाशित होगा।
-संपादक

एअर इंडिया हफ्ते में करीब 800 घरेलू फ्लाइट्स घटाएगी

इंडिगो भी 7% उड़ानें कम करेगी, महंगा फ्यूल और ऑपरेशन कॉस्ट बढ़ने का असर

कटौती

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयर-लाइन एअर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5% से 7% की कटौती कर सकती है। एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है। इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22% तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है। एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा। उड़ानों में कटौती की सबसे बड़ी वजह 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष है। इससे जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है।

» (शेष पेज 06 पर)

एसआईआर अवैध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है, एसआईआर में 13 राज्य-यूटी में 7.41 करोड़ नाम कटे

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि SIR मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए। जून 2025 में बिहार से शुरू हुई SIR प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है। इस दौरान 7.41 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा 2.89 करोड़ नाम उत्तर प्रदेश से कटे। बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी SIR कराया गया, जबकि असम में स्पेशल रिवीजन (SR) हुआ।

कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा।

अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर

देश के 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR हो चुका है। इनमें अब तक कुल 7.41 वोटर्स के नाम कट चुके हैं। दिल्ली में 30 जून से SIR प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। SIR के पहले फेज में बिहार शामिल था। दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश शामिल था। इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार थे।

बिहार SIR के खिलाफ दायर याचिकाओं से ही मामला सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। कुल कितनी याचिकाएं थीं इसकी जानकारी नहीं है। कि इस प्रक्रिया से लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है।

कार्यवाई : इनमें एक डॉक्टर, बेटे समेत 3 छात्रों को पेपर दिलवाया, अब तक 13 लोग गिरफ्तार

नीट मामले में सी.बी.आई ने दो और अरेस्ट किए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक मामले में CBI ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉक्टर मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे। वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (APMA) में फिजिक्स पढ़ाता है। उसे NEET परीक्षा के लीक हुए फिजिक्स के क्वेश्चन गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे। इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। CBI ने अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए। इस मामले में अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। NTA ने शुक्रवार को NEET-UG 2026 कैंडिडेट के लिए एक खास पोर्टल खोला है, ताकि वे इस महीने की शुरुआत में एंट्रेंस एग्जाम कैंसिल होने के बाद एग्जाम फीस रिफंड के लिए अपने बैंक अकाउंट की डिटेल्स जमा कर सकें।

सीबीआई पैसे देने वालों की लिस्ट बना रही

जांच एजेंसी अब उन सभी पेरेंट्स की लिस्ट तैयार कर रही है, जिनके बैंक खातों से शिवराज मोटेगांवकर, पी.वी. कुलकर्णी या उनकी सहयोगी मनीषा वाघमारे (पुणे) के खातों में पैसे ट्रांसफर हुए थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) के अलावा बाहर के कुछ किरदार अभी शक के दायरे में हैं। सीबीआई जल्द ही दूसरे राज्यों में छापेमारी करेगी।

खुलासा : नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका

सीबीआई जांच में खुलासा हुआ कि नीट का पेपर 5 राज्यों में बिका था। सबसे ज्यादा बिक्री महाराष्ट्र में हुई। दूसरा नंबर राजस्थान का है। सीबीआई का कहना है कि बाद पेपर लीक का मामला और बड़ा निकल सकता है। एजेंसी अभी यह तय नहीं कर पा रही कि कितने छात्रों ने पेपर खरीदा था। सीबीआई को महाराष्ट्र और राजस्थान में पेपर के प्रिंट निकालकर बेचने के सबूत मिले हैं। पेपर लीक का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र था। यहीं से राजस्थान और दूसरे राज्यों के छात्रों तक 'क्वेश्चन बैंक' पहुंचा।

3 मई को हुई परीक्षा 12 मई को रद्द

NEET-UG परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। NTA के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया।

प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

90% भारत कवर करेगी, केरल में नमी कम होने से अटका मानसून

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90% हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 mm बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है। मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

यूपी में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का नया मॉडल, 27% ओबीसी आरक्षण के निर्धारण के बाद ही होंगे चुनाव

समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और प्रधानों को कमान

फैसला

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने जब ग्रामीण निकायों में ओबीसी आरक्षण के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन का फैसला लिया था, उसी समय संकेत मिल गए थे कि ग्राम पंचायतों के चुनाव में अभी वक्त लगेगा। आयोग का गठन एक महत्वपूर्ण निर्णय था, लेकिन योगी सरकार ने इससे भी बड़ा ऐतिहासिक फैसला निवर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक के रूप में नियुक्त करने का लिया है।

यह निर्णय ग्राम स्वराज और ग्राम समाज की उस लोकतांत्रिक अवधारणा को मूर्त रूप देता है, जिसमें स्थानीय इकाइयों के

अधिकारों और उनकी निरंतरता की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। ग्राम पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की आधारभूत इकाइयां हैं, उनका सशक्त और सक्रिय बने रहना ही लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक रक्षा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में नीतिगत निर्णय लेकर ग्राम पंचायतों को अधिक सशक्त, स्वावलंबी और आत्मविश्वासी बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था भर नहीं, बल्कि जमीनी लोकतंत्र, जनभागीदारी और ग्रामीण स्वशासन के प्रति सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

> योगी सरकार का यह निर्णय उसी विचारधारा के निकट दिखाई देता है, जिसमें गांव को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना और विकास की जीवंत शक्ति के रूप में देखा गया है। प्रधानों को प्रशासक बनाकर सरकार ने ग्राम समाज की सामूहिक शक्ति, स्थानीय अनुभव और जन-नेतृत्व की प्रासंगिकता को नई मान्यता दी है।

लोकतंत्र और सत्ता का विकेंद्रीकरण

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था- 'जब तक हम समाज के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले व्यक्ति के आर्थिक और सामाजिक उत्थान को सुनिश्चित नहीं करते, तब तक स्वतंत्रता और लोकतंत्र के कोई मायने नहीं हैं। सत्ता का विकेंद्रीकरण ही वास्तविक लोकतंत्र की कुंजी है।' इस दर्शन में यह निहित है कि शीर्ष पर बैठी व्यवस्था को नीचे की लोकतांत्रिक इकाइयों पर नियंत्रण न रखकर उन्हें संबल देना चाहिए। पंचायत चुनावों तक ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखना इसी दर्शन का व्यावहारिक रूप है। अब से पहले यह देखा जाता रहा है कि स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने या अपरिहार्य कारणों से चुनाव समय पर नहीं हो पाने पर नौकरशाही को कमान सौंप दी जाती थी।

तस्वीर हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, गढ़वाल के कुलपति प्रो श्रीप्रकाश सिंह की है। उन्होंने यह लेख लिखा है।

जन-भावनाओं का सम्मान

मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि लालफीताशाही की अपनी एक जड़वत प्रवृत्ति होती है, जिसके कारण कई बार विकास कार्य अनावश्यक प्रक्रियाओं और प्रशासनिक उलझनों में फंसकर ठहराव का शिकार हो जाते हैं। योजनाएं बनती हैं, घोषणाएं होती हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की गति धीमी पड़ने से जनता तक उसका अपेक्षित लाभ समय पर नहीं पहुंच पाता। विशेष रूप से गांवों में, जहां विकास की छोटी-छोटी योजनाएं भी लोगों के दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी होती हैं, वहां प्रशासनिक शिथिलता सीधे जनजीवन को प्रभावित करती है।

ऐसे समय में योगी सरकार ने पारंपरिक नौकरशाही के इसी जड़ ढांचे को तोड़ते हुए जन-भावनाओं और स्थानीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को सर्वोपरि रखने का प्रयास किया है।

सुभाष कौशिक की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण एमओयू संपन्न किया गया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । आज आयुष भवन जनकपुरी नई दिल्ली में नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रोफेसर विजय पुस्कर एवं केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद , नई दिल्ली के डॉयरेक्टर जनरल सीसीआरएच के डॉ. सुभाष कौशिक की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण एमओयू (MoU) संपन्न किया गया। इस समझौते के अंतर्गत अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य समस्याओं पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक अनुसंधान कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह पहल चिकित्सा शिक्षा, शोध एवं रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। यह जानकारी राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय गोमतीनगर लखनऊ के प्राचार्य, डॉ. विजय पुस्कर ने देते हुए बताया कि इस एमओयू के माध्यम से अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लखनऊ द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस समझौते के अंतर्गत अब नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य समस्याओं पर वैज्ञानिक एवं प्रभावी होम्योपैथिक कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 3 बंद मकानों में लाखों की चोरी

लखनऊ। लखनऊ में चोरों ने गाजीपुर और बिजनौर इलाके में बंद मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नकदी पार कर दी। तीनों मामलों में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजीपुर के इंदिरानगर निवासी अधिवक्ता अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि वह 3 मई को किसी काम से बाहर गए थे। अगले दिन लौटने पर घर का मेनगेट और कमरों के ताले टूटे मिले।

लखनऊ में पति ने पत्नी को मार डाला

लखनऊ । लखनऊ के बाजारखाला थानाक्षेत्र में एक युवक ने पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी। दोनों का लंबे समय से विवाद चल रहा था। पत्नी 3 महीने से मायके में रह रही थी। आरोपी पति ने फोन करके मिलने के बहाने बुलाया। खलरवा लेन ऐशबाग निवासी चांदनी (26) की शादी 7 साल पहले मोहम्मद शाहिद से हुई थी। दोनों का एक 4 साल का बेटा है। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति शाहिद अक्सर चांदनी के साथ मारपीट करता था। जिससे तंग आकर 3 महीने से वह तकिया चांद अलीशा रामनगर ऐशबाग स्थित अपने मायके में रह रही थी।

युवक ने कुत्ते को पटक-पटकर मारा, चाकू से गला रेता

लखनऊ । लखनऊ में एक युवक ने कुत्ते का बेरहमी से कत्ल कर दिया। पहले कुत्ते को पटक-पटककर मारा। इस पर भी जब मन नहीं भरा तो पहले चाकू से उसकी गर्दन धीरे-धीरे रेती। इसके बाद चमड़ी उधेड़ ली। लोगों ने उसे मन किया, लेकिन आरोपी नहीं माना। घटना लखनऊ के निगोहां क्षेत्र में मंगलवार को हुई।

उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संघ की मांगों को मिली बड़ी सफलता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संघ की लंबे समय से लंबित मांगों को शासन स्तर पर स्वीकृति मिलने के बाद संघ पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी की लहर है। संघ द्वारा लगातार उठाई जा रही मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 द्वारा नए पदों के सृजन और पुनर्गठन संबंधी आदेश जारी किए गए हैं।

संघ के अध्यक्ष के. बी.एल. श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा उत्तर प्रदेश सचिवालय लेखा संवर्ग का पुनर्गठन करते हुए समीक्षा अधिकारियों (लेखा) के 03, संयुक्त सचिव (लेखा) के 04, अपर सचिव (लेखा) के 06 तथा उप सचिव (लेखा) के 04 नए पदों का सृजन किया गया है। इसके साथ ही अनुभाग अधिकारी (लेखा) के 04, समीक्षा अधिकारी (लेखा) के 12 तथा सहायक समीक्षा अधिकारी (लेखा) के 04 अतिरिक्त पदों की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

संघ के पदाधिकारियों ने इसे लेखा संवर्ग के कर्मचारियों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि कई वर्षों से लंबित मांगों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। शासन के इस निर्णय से कर्मचारियों को पदोन्नति के बेहतर अवसर मिलेंगे तथा कार्य व्यवस्था भी अधिक प्रभावी और सुदृढ़ होगी।

संघ के अध्यक्ष के. बी.एल. श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विजयी नारायण सिंह, महामंत्री अजीत प्रताप सिंह, सचिव भजुरामा सहित समस्त पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव तथा सचिवालय प्रशासन एवं वित्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के हितों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। साथ ही उम्मीद जताई कि भविष्य में भी कर्मचारियों की अन्य मांगों पर इसी प्रकार सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे।

लखनऊ को स्वच्छता में नंबर-1 बनाने की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 को लेकर बुधवार को संगम सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने की। बैठक में लखनऊ को स्वच्छता रैंकिंग में देश में प्रथम स्थान दिलाने की रणनीति पर चर्चा हुई। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि लखनऊ ने स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अब लक्ष्य देश में नंबर-1 शहर बनना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़े के ढेर दिखाई न दें और सीवेज संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। अस्पतालों, होटलों और व्यावसायिक क्षेत्रों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्कूलों में कायाकल्प कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने और शिकायत निस्तारण प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें जनभागीदारी बेहद जरूरी है।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में बढ़ोतरी का विरोध, छात्रों को उठाकर ले गई पुलिस

लखनऊ विश्वविद्यालय में सपा छात्र सभा का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 पर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दामों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के विरोध में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच करीब 20 मिनट तक नोकझोंक होती रही। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। रोहित यादव ने कहा कि ये सरकार अच्छी शिक्षा और रोजगार देने में बिल्कुल फेल है । भ्रष्टाचार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यूनिवर्सिटी में साफ पीने का पानी तक नहीं है। पेट्रोल और डीजल के

दाम आसमान छू रहे है, मांग है कि सरकार बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस ले। सबसे ज्यादा परेशान छात्र हो रहे हैं। जो हॉस्टल में रहते हैं और उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है।

पार्टी जनमानस के हितों के लिए कर रही संघर्ष

प्रदर्शन कर रहे शिवा जी यादव ने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा आम जनमानस के हितों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष कर रही है , जम लोग अपने मेरा के निर्देश पर संघर्ष कर रहे हैं । आम जनता महंगाई की मार से परेशान है उसकी कमर टूटती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में कार्य कर रही है और आम जनता की समस्याओं की अनदेखी कर रही है।

'दोहरी मार से जनता परेशान'

प्रदर्शन कर रहे आदित्य ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि कर रही है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ व्यावसायिक सिलेंडर गैस और पांच किलोग्राम वाले सिलेंडरों के दाम बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। महंगाई से पहले ही परेशान आम नागरिकों के लिए यह स्थिति और कठिन होती जा रही है , ये दोहरी मार के लिए लोग तैयार नहीं ।

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

ऑफिस के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग की, बाइक से भागे दोनों बदमाश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के पीजीआई थानाक्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने ऑफिस के सामने मोबाइल से बात कर रहे थे। आसपास के लोगों ने प्रॉपर्टी डीलर को तुरंत अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात बुधवार दोपहर कल्ली पश्चिम इलाके की है। घटना का एक्सक्लूसिव सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें एक बदमाश प्रॉपर्टी डीलर पर ताबड़तोड़ गोलियां मारते दिख रहा। हत्या के बाद बदमाश अपने साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। प्रॉपटी डीलर संदीप सिंह जौनपुर जिले के रहने वाले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी के जरिए हत्या की जांच में जुटी हुई है। प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले थे। वह अपने परिवार के साथ कालिंदी पार्क के पास रहते हैं। बुधवार दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच वह अपने ड्राइवर प्रदीप सिंह के साथ कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव मार्केट में अपने ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि संदीप कार से उतरकर ऑफिस की ओर बढ़ ही रहे थे। तभी बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगते ही संदीप घायल होकर गिर पड़े, तभी आरोपी बाइक से भाग निकले। एडीसीपी साउथ और एसीपी गोसाईगंज पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान की कोशिश की जा रही है। शुरुआती जांच में आपसी रंजिश समेत कई ऐंगल पर जांच की जा रही है। संदीप सिंह ने करीब डेढ़ साल पहले कल्ली पश्चिम बाजार स्थित यादव कॉम्प्लेक्स में पीएसएस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ऑफिस खोला था।

पहली गोली लगते ही सड़क पर गिरे संदीप

पुलिस को घटना की 50 सेकंड की CCTV फुटेज मिली है। इसमें दिख रहा कि प्रॉपर्टी डीलर संदीप कार से नीचे उतरने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस दौरान सफेद शर्ट और नीले जींस पहने बदमाश उनके पास आता है। उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है। पहली गोली सीने के पास लगते ही संदीप सड़क पर गिर पड़ते हैं। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार फायरिंग करता रहता है। वह आखिरी गोली संदीप के सिर के पास मारता है। इसे लेकर पुलिस मान रही है कि बदमाश पेशेवर भी हो सकते हैं।

बाइकसवार बदमाश ने हेलमेट पहन रखा था

स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, हमला करने वाले बाइक सवार बदमाश काफी पेशेवर अंदाज में आए थे। बाइक चला रहा बदमाश हेलमेट लगाए हुए था। जबकि, पीछे बैठे हमलावर ने अपना मुंह सफेद गमछे से बांध रखा था। वारदात को अंजाम देते समय एक बदमाश अपाचे बाइक स्टार्ट किए हुए पहले से खड़ा हुआ था। संदीप को कई गोलियां मारने वाला दूसरा बदमाश दौड़ते हुए बाइक पर बैठा। जिसके बाद दोनों भाग निकले। संदीप सिंह के परिवार में पत्नी प्रीति सिंह, बेटा सार्थक सिंह और बेटी सीवी सिंह हैं।

यह तस्वीर प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की है। (फाइल फोटो)

एस आई आर डी मे विभिन्न विषयो पर विशेषज्ञो द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा, महानिदेशक संस्थान सम्प्रति प्रमुख सचिव ग्राम विकास उ०प्र०शासन के संरक्षण व संस्थान के प्र0 अपर निदेशक, सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन में संस्थान परिसर के विभिन्न प्रशिक्षण कक्षों में, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत 25 व 26 को, ₹ एम सी एल एफ बेव पोर्टल डाटा इंट्री प्रक्रिया ₹ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्बन्धित 84 अधिकारी/ कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। 25 से 31 ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एम एस एम ई अभिसरण अन्तर्गत सुगमकर्ता विकसित करने₹ विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्बन्धित 131 अधिकारियों/ कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है तथा दिनांक 25 से 30 मई की अवधि में, माडल संकुल स्तरीय अन्तर्गत प्री-विजनिंग ₹विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम से सम्बन्धित 25 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रासंगिक एवं उपयोगी विषयों द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता संवर्धन हेतु संस्थान द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक : गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की लागत घटाने पर सरकार का फोकस

खेती को बनाना है टिकाऊ और लाभकारी : सूर्य प्रताप शाही

- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा की गई कृषि एवं पशुधन विभाग की संयुक्त रणनीति बैठक
- प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, गोबर खाद, सीबीजी प्लांट और एफओएम उत्पादन पर किया गया मंथन

> गोबर और गोमूत्र आधारित उत्पादों से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने की विशेषज्ञों ने रखी राय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि, गौसंवर्धन एवं किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लगातार ठोस और दूरदर्शी कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही तथा पशुधन मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को विधान भवन, लखनऊ स्थित समिति कक्ष-8 में गोबर खाद के प्रयोग, सी०बी०जी० (कंप्रेस्ड बायोगैस) प्लांटों के संचालन तथा एफ०ओ०एम० (फर्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर) उत्पादन की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की बेहतर रणनीति के लिए एक संयुक्त विभागीय बैठक की। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसे टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल एवं आर्थिक रूप से लाभकारी बनाना चाहती है।

विभिन्न नवाचारों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया

बैठक में गौ-आधारित जैविक खेती, गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों, बायोचार, लिक्विड ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर, बायोगैस एवं सीबीजी प्लांटों की कार्यप्रणाली तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के विभिन्न नवाचारों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न संस्थाओं एवं विशेषज्ञों द्वारा ऐसे मॉडल प्रस्तुत किए गए जिनके माध्यम से गोबर एवं गोमूत्र का वैज्ञानिक उपयोग कर मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार, कार्बन कंटेंट में वृद्धि, रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी तथा किसानों की लागत घटाने की संभावनाएं व्यक्त की गईं। कई प्रस्तुतियों में यह भी बताया गया कि जैविक खाद एवं लिक्विड फर्टिलाइजर के उपयोग से मिट्टी में कार्बन स्तर को क्रमिक रूप से बढ़ाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने किसानों को रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया।

जनता अगले चुनाव में भाजपा को 'सुखा' देगी : अखिलेश यादव

बिजली संकट पर अखिलेश यादव का हमला

- पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- भाजपा सरकार ने बिजली विभाग को बर्बाद किया, उत्पादन बढ़ाने के बजाय सिर्फ जनता से वसूली की गई

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में फैली "महा विद्युत आपदा" के लिए पूरी तरह भाजपा सरकार जिम्मेदार है और आने वाले चुनाव में जनता भाजपा को "अच्छे से धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी।"

अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि शुक्र है मुख्यमंत्री ने अब तक यह नहीं कहा कि प्रदेश के

बिजली संकट के पीछे दिल्ली से भेजे गए किसी दूत की साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में बिजली मंत्री शामिल होते हैं या उन्हें बुलाया ही नहीं जाता। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अगर मंत्री बैठकों में आते हैं तो मुख्यमंत्री उनके "कंधे पर हाथ रखकर" एक तस्वीर पोस्ट कर दें, जिससे जनता को दोनों नेताओं की "आपसी गर्मी" से कुछ राहत मिल सके। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बिजली सब-स्टेशनों पर पीएसी तैनात करनी पड़ रही है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखकर जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब "करेंट" नहीं बचा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में बिजली विभाग को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। उनके मुताबिक सरकार ने न तो कोई नया बिजली कारखाना लगाया और न ही बिजली उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल बिजली मीटर बदलकर जनता से वसूली करने में लगी रही।

सीतापुर में डीएम-एसपी ने दिए निर्देश, खुले में कुर्बानी पर रहेगी पाबंदी

बकरीद पर सड़कों पर नमाज को लेकर रहेगा सख्त पहरा

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापु। सीतापुर में आगामी बकरीद पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय पीस कमेटी एवं कानून व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएम राजागणपति आर और एसपी अंकुर अग्रवाल ने की। एसपी अंकुर अग्रवाल ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में डीएम ने कहा कि जनपद में बकरीद का पर्व हमेशा आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया जाता रहा है। उन्होंने सभी समुदायों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने की अपील की।

सोशल मीडिया पर रहेगी विशेष निगरानी

एसपी ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की भ्रामक, भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाओं और एम्बुलेंस की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया।

नई परंपरा शुरू न करने के निर्देश

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को साफ-सफाई, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर निकाय अधिकारियों को ईदगाहों, मस्जिदों और प्रमुख मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने तथा चूना छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए। वहीं स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाओं और एम्बुलेंस की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया।

निर्धारित स्थलों पर ही होगी कुर्बानी

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि कुर्बानी केवल निर्धारित एवं परंपरागत स्थलों पर ही की जाए। प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। साथ ही सार्वजनिक स्थानों, स्वच्छता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने और किसी भी सूचना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लेखपाल और मुंशी 6 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बाराबंकी में जमीन के काम के बदले घूस का आरोप, विजिलेंस टीम ने दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदरगढ़, बाराबंकी। बाराबंकी जिले के कोठी थाना क्षेत्र में विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए मझियावां क्षेत्र के लेखपाल अमित कनौजिया और उनके मुंशी विनय मिश्रा को कथित तौर पर 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बुधवार दोपहर को कोठी चौराहे के पास की गई।

जानकारी के अनुसार, हैदरगढ़ तहसील क्षेत्र के माझियावां के क्षेत्रीय लेखपाल अमित कनौजिया और उनके निजी मुंशी विनय मिश्रा पर जमीन संबंधी कार्य के बदले पैसे मांगने का आरोप था। इस मामले में शिवालापुरवा मजरे उस्मानपुर गांव निवासी शिक्षक सहजराम रावत ने विजिलेंस टीम से शिकायत की थी।

बताया जा रहा है कि विजिलेंस टीम प्रभारी विजय यादव के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमेश चंद्र की राइस मिल के सामने स्थित कार्यालय में कार्रवाई करते हुए दोनों को कथित तौर पर रिश्वत लेते पकड़ा गया। पीड़ित के अनुसार, 6 हजार रुपये की नगदी देते समय टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद विजिलेंस टीम दोनों आरोपियों को कोठी थाने ले गई, जहां आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मामले की सूचना मिलते ही कोठी इंस्पेक्टर धर्मेंद्र प्रताप सिंह की टीम भी सक्रिय हो गई।

इंस्पेक्टर धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विजिलेंस टीम द्वारा एक लेखपाल और उसके मुंशी को थाने लाया गया है। टीम की ओर से तहरीर दी जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, हैदरगढ़ तहसील राजस्व लेखपाल संघ के महामंत्री राहुल पैजानिया ने भी दो लोगों को गिरफ्तार में लिए जाने की पुष्टि की है।

घटना के बाद क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

फास्ट न्यूज

लेखपाल 6 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

बाराबंकी। बाराबंकी में भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कोठी थाना क्षेत्र में हैदरगढ़ तहसील के मझियावां क्षेत्र के लेखपाल अमित कनौजिया और उनके निजी मुंशी विनय मिश्रा को 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई कोठी चौराहे के पास पूर्व ब्लॉक प्रमुख की राइस मिल के सामने बने दफ्तर में हुई, जिससे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पुजारी की मौत

हरदोई। हरदोई में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे पुजारी रत्नेश उर्फ गन्नू (55) की मंगलवार की देर रात मौत हो गई। यह हादसा सुरसा थाना क्षेत्र के सेमरा चौराहे के पास हुआ, जहां उन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के खसौरा गांव निवासी रत्नेश सुरसा थाना क्षेत्र के सेमरा चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर में पुजारी थे। मंगलवार देर रात वह मंदिर से बाहर निकलकर चौराहे की ओर जा रहे थे। हरदोई-बिलग्राम मार्ग पर चौराहे के पास ही एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

चार्जिंग के दौरान कार में आग लगी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मंगलवार देर रात इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के दौरान भीषण आग लग गई। आग लगने से पूरी बिल्डिंग और सीढ़ियों में धुआं भर गया, जिससे वहां रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया।

घटना लिंक रोड थाना क्षेत्र के सूर्यनगर स्थित ए-77 रामपुरी की है। सूचना मिलते ही वैशाली और साहिबाबाद फायर स्टेशन से दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

सिंचाई विभाग पेंशनर्स का धरना स्थगित

अधिकारियों ने 15 दिन में समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में सिंचाई विभाग पेंशनर एसोसिएशन द्वारा लंबित समस्याओं को लेकर चल रहा धरना बुधवार को प्रशासन के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। अधिशासी अभियंता के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के बाद संगठन ने फिलहाल आंदोलन रोकने का फैसला लिया है।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने अधिशासी अभियंता (शारदा सहायक खंड दक्षिणी) को पूर्व में पत्र भेजकर 25 मई तक समस्याओं के समाधान की मांग की थी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि मांगें पूरी न होने पर संगठन आंदोलन करेगा।

इस संबंध में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को भी अवगत कराया गया था। संरक्षक दयाराम यादव ने बताया कि फरवरी माह में भी दो दिवसीय धरना आयोजित किया गया था। उस समय 11 फरवरी को अधिकारियों ने 15 दिनों में समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया था, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। धरने के दौरान अधिशासी अभियंता शारदा सहायक सुशील यादव ने संघ के पदाधिकारियों को वार्ता के लिए बुलाया।

सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई बैठक में उन्होंने अगले 15 दिनों के भीतर सभी लंबित समस्याओं के समाधान का ठोस आश्वासन दिया।

संरक्षक दयाराम यादव ने बताया कि फरवरी में भी दो दिवसीय धरना दिया गया था, तब 11 फरवरी को 15 दिनों में समाधान का आश्वासन मिला था, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

पेंशनर्स ने गिनाईं प्रमुख समस्याएं

धरने के दौरान पेंशनर्स ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों का वेतन निर्धारण लंबित होने, चिकित्सीय प्रतिपूर्ति बिलों के अटके रहने और जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद 30 दिनों के भीतर बिलों का निस्तारण न होने जैसी समस्याएं उठाईं। उन्होंने अधिकारियों की अनुपलब्धता पर भी नाराजगी जताई, जिसके कारण पेंशनर्स को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

समाधान न होने पर फिर आंदोलन की चेतावनी

संघ के अध्यक्ष हरिश्चंद्र यादव ने प्रशासन के सकारात्मक रुख पर संतोष जताते हुए धरना स्थगित करने की घोषणा की। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन भविष्य में फिर से उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

पीएम किसान योजना: ई-केवाईसी अनिवार्य

अंतिम तिथि 30 जून, नहीं कराने पर रुक सकती है अगली किस्त

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी (E-KYC) कराना अनिवार्य कर दिया गया है। भारत सरकार ने यह निर्णय योजना में पारदर्शिता लाने, डेटा लीक रोकने और वास्तविक किसानों तक लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया है। हरदोई के उप कृषि निदेशक सतीश कुमार पांडेय ने बताया कि ई-केवाईसी पूर्ण करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। यदि कोई किसान इस अवधि तक अपनी ई-केवाईसी नहीं कराता है, तो उसे योजना के लिए अपात्र माना जाएगा और उसकी आगामी किस्तों का भुगतान रोक दिया जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए ई-केवाईसी के दो विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। पहला विकल्प बायोमैट्रिक्स ई-केवाईसी है, जिसके तहत किसान किसी भी नजदीकी जनसेवा केंद्र (CSC) पर जाकर फिंगरप्रिंट या बायोमैट्रिक्स प्रमाणीकरण के माध्यम से इसे पूरा कर सकते हैं। दूसरा विकल्प फेशियल ई-केवाईसी है। इसमें किसान 'पीएम किसान मोबाइल ऐप' का उपयोग करके चेहरे के सत्यापन (फेस ऑथेंटिकेशन) के जरिए घर बैठे ही यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

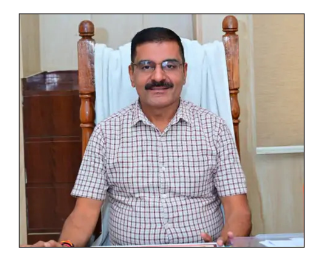

बिजली कटौती हंगामे के दौरान पुलिस से नोकझोक

सीतापुर में लोगों ने लगाया जाम, पुलिस ने सीढ़ी फेंककर खदेड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में शहर में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में मंगलवार देर रात उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज लोगों ने शहर के ट्रांसपोर्ट चौराहे पर सड़क पर विभाग की सीढ़ी लगाकर जाम लगा दिया और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अचानक लगे जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि पिछले कई दिनों से शहर में बिना किसी सूचना के घंटों बिजली कटौती की जा रही है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली न आने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के समय लगातार बिजली गुल रहने से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, लेकिन विभागीय अधिकारी समस्या के समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जाम और हंगामे की सूचना मिलने पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोंकझोंक भी हुई। लोगों का कहना था कि जब तक बिजली व्यवस्था में सुधार का आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। स्थिति बिगड़ती देख इंस्पेक्टर ने सड़क पर रखी सीढ़ी को हटवाकर फेंक दिया और लोगों को सड़क खाली करने के निर्देश दिए।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने जमीन में लाठी फटकार कर प्रदर्शनकारियों को हटाया, जिसके बाद देर रात जाम समाप्त कराया जा सका। करीब आधे घंटे तक चले इस हंगामे के कारण ट्रांसपोर्ट चौराहे के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया और बिजली विभाग से समस्या के समाधान के लिए वार्ता करने का आश्वासन दिया।

एएनएम को नोटिस, वैक्सीनेशन किट के रखरखाव पर नाराजगी

सीतापुर डीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र में लापरवाही पर लगाई फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में जिलाधिकारी राजागणपति आर. ने बुधवार को बिसवां विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित वीएनएसएनडी सत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। डीएम ने संबंधित एएनएम के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश डॉ. अनूप श्रीवास्तव को दिए। ब्लड प्रेशर मशीन और वैक्सीनेशन किट में मिली खामियां सुबह करीब 11 बजे पहुंचे जिलाधिकारी ने टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने एएनएम से क्षेत्र की आबादी और टीकाकरण से जुड़ी जानकारी ली और रजिस्टरों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कोई भी महिला टीकाकरण से वंचित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान ब्लड प्रेशर मशीन को सही तरीके से संचालित न किए जाने पर डीएम ने नाराजगी जताई। वहीं वैक्सीनेशन किट का रखरखाव भी संतोषजनक नहीं मिला और किट खराब पाई गई, जिस पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं की भी हुई जांच

डीएम ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से बातचीत कर सैम और मैम रजिस्टरों का निरीक्षण किया। साथ ही पुष्टाहार वितरण व्यवस्था और वीएनएसएनडी सत्र की तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण पर दिया जोर

निरीक्षण के दौरान डीएम ने यह भी पूछा कि जो महिलाएं टीकाकरण सत्र में नहीं पहुंच पातीं, उनके लिए क्या व्यवस्था की जाती है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

हादसा : लोग बोले- बिजली आती तो बाहर न सोता परिवार, डंपर से रौंदकर गई थी 4 की जान

बिजली कटौती का विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के फतेहपुर थाना क्षेत्र में 22-23 मई की दरमियानी रात एक सड़क हादसा हुआ था। फतेहपुर-महमूदाबाद मार्ग पर स्थित झांसा गांव में एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे सो रहे एक ही परिवार के पांच लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में वैन चालक नीरज चौहान (35) और उनके तीन बच्चों – अनुराग (13), अंशू (6) और अंशिका (10) की मौके पर ही मौत हो गई। नीरज की पत्नी आरती गंभीर रूप से घायल हो गईं और फिलहाल लखनऊ के लोहिया अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। इस घटना के बाद से झांसा गांव में मातम पसरा है और ग्रामीणों में बिजली की बदहाली तथा सरकारी व्यवस्था के प्रति गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों के अनुसार, यह परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था और एक झुग्गी-झोपड़ी में रहता था। हादसे वाली रात गांव में घंटों बिजली गुल थी, जिससे उमस और गर्मी से बेहाल होकर नीरज का परिवार ठंडी हवा के लिए घर के बाहर सड़क किनारे सो गया था। मृतक नीरज चौहान एक स्वाभिमानी और मेहनती व्यक्ति थे। वह दिन-रात मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में कोई कमी नहीं छोड़ते थे। इस घटना ने 'पक्की छत' के सरकारी दावों और ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

- नीरज अपनी पत्नी आरती के साथ। आरती का इलाज लखनऊ में चल रहा है।
- पिता और तीनों बच्चों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया था।
- लाइट न आने से इसी घर के बाहर मच्छरदानी लगाकार सो रहा था परिवार।

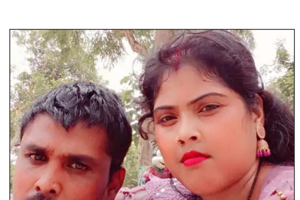

नीरज अपनी पत्नी आरती के साथ। आरती का इलाज लखनऊ में चल रहा है।

1 करोड़ 2 लाख रुपये की डकैती के आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी। बाराबंकी के देवा थाना क्षेत्र में बुधवार भोर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने इस दौरान 1 करोड़ 2 लाख रुपये की डकैती के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को बदमाशों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बहराइच जिले के केसरगंज निवासी जसीम और बाराबंकी के घुंघटेर क्षेत्र निवासी सफी के रूप में हुई है। घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

बजट के अभाव में थमा 'खेलो इंडिया' का सपना

रायबरेली में मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण 8 महीने से अधूरा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। 'खेलो इंडिया' योजना के तहत रायबरेली के जैतपुर में बन रहा मल्टीपर्पज हॉल पिछले आठ महीनों से बजट के अभाव में रुका हुआ है। प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के सरकारी दावों के बीच इस परियोजना का अधूरा रहना चिंता का विषय है। स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों में इससे निराशा है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए शासनादेश संख्या 1950/बयालीस-2019-60 (बजट)/2018, दिनांक 02-11-2021 को जारी किया गया था। इसकी स्वीकृत लागत 4.50 करोड़ रुपये है। 21 दिसंबर 2023 तक इस परियोजना के लिए केवल 119.73 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई है। निर्माण कार्य 5 फरवरी 2024 को शुरू हुआ था और इसे 4 फरवरी 2025 तक पूरा किया जाना था।

हालांकि, निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद, बजट की अगली किस्त जारी न होने के कारण निर्माण स्थल पर काम पूरी तरह ठप पड़ा है। कुल स्वीकृत 450.00 लाख की लागत के मुकाबले, विभाग को अब तक केवल 119.73 लाख ही प्राप्त हुए हैं। यह राशि शुरुआती कार्यों में ही खर्च हो गई।

पिछले आठ महीनों से कोई अतिरिक्त बजट न मिलने के कारण कार्यदायी संस्था ने निर्माण कार्य रोक दिया है।

सम्पादकीय

एनटीए के बाद सीबीएसई

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के प्रश्नपत्र लीक हो जाने के कारण इस परीक्षा को निरस्त करने के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में जिस तरह विसंगतियों की शिकायतें सामने आ रही हैं, वे निराशाजनक भी हैं और दुर्भाग्यपूर्ण भी। इसी कारण शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति ने जैसे नीट का आयोजन करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए एवं शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को तलब किया था, वैसे ही सीबीएसई के चेयरमैन को भी अपने समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है।

उनसे पूछा जाएगा कि सीबीएसई परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ियां क्यों सामने आ रही हैं? पता नहीं वे क्या जवाब देते हैं और उनसे संसदीय समिति संतुष्ट होती है या नहीं, लेकिन प्रश्न केवल उसके संतुष्ट होने का नहीं है। प्रश्न यह है कि सीबीएसई उन छात्रों को संतुष्ट कर पाएगा या नहीं, जो अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी की शिकायत कर रहे हैं? ध्यान रहे ऐसी कई शिकायतों को सीबीएसई ने सही पाया है। इसका अर्थ है कि सीबीएसई की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में वास्तव में कोई खामी है। यह कहना कठिन है कि कितने छात्र पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया में खामी के शिकार हैं, लेकिन जब ऐसा होता है तो छात्रों और साथ ही अभिभावकों का परीक्षा मूल्यांकन की प्रक्रिया से भरोसा उठता है। इसी के साथ परीक्षा आयोजन करने वाली संस्था की साख पर भी बट्टा लगता है।

यह सामान्य बात नहीं कि जहां कुछ छात्र यह पा रहे हैं कि बोर्ड द्वारा अपलोड की गई उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापी उनकी लिखावट से मेल नहीं खा रही है, वहीं कुछ की यह शिकायत है कि सही उत्तर के बाद भी उनके अंक काट दिए गए। कुछ यह भी कह रहे हैं कि स्कैन कापी देखकर समझना कठिन है कि उत्तर पुस्तिका किसकी है? यह ठीक है कि सीबीएसई अधिकारी विसंगतियों को ठीक कर रहे हैं और शिकायत करने वाले छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन इससे केवल समय और संसाधन की बर्बादी ही नहीं होगी, बल्कि अन्य छात्रों के मन में भी यह आशंका घर करेगी कि उनकी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन सही तरह हुआ या नहीं? इसके चलते और छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता महसूस कर सकते हैं। यह सीबीएसई अधिकारी ही बता सकते हैं कि उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी के कारण क्या हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि आन स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम का काम जिसे दिया गया, वह इसे करने में दक्ष नहीं था। त्रासदी यह है कि ऐसा पहली बार देखने को नहीं मिल रहा है।

जीवन को गढ़ना

विद्यार्थी के सामने लक्ष्य पढ़ाई का हैं । वह जीवन में शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक हैं परन्तु पढ़ाई के साथ - साथ अपने जीवन को गढ़ना भी बहुत महत्वपूर्ण हैं । अगर इंसान ठान ले कि मुझे अमुक मुक़ाम हाशिल करना है ,तो ध्यान रहे कि अथाह सकारात्मक परिश्रम कभी-कभी भाग्य की रेखा भी बदल देते हैं। हां ! परिश्रम के दो फ़ायदे हैं। हम अगर शारीरिक परिश्रम करते हैं तो हमारा स्वास्थ्य सही रहेगा और अगर दिमाग़ का श्रम करते है तो हम्हें उस क्षेत्र में और आगे बढ़ने का मौक़ा मिलेगा। हम परिवार में कैसे रहें, कैसे सामंजस्य रहें, कैसे एक - दूसरे को सहन करें ? इस प्रकार की शिक्षा और संस्कार भी जीवन में आने चाहिए । समझशक्ति बढ़ गईं और सहन शक्ति नहीं बढ़ी तो समझना चाहिए एक बड़ी कमी रह गई । मन की सुंदर सोच है तो हमको सारा संसार सुंदर नज़र आएगा । ज़िंदगी में कभी भी अपने किसी हुनर पर हम घमंड ना करे क्योंकि पत्थर जब पानी में गिरता है तो अपने ही वज़न से डूब जाता हैं । आचार्य श्री तुलसी पाली में विराजमान थे । उस समय आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी युवाचार्य अवस्था में थे । कोलकाता के नोपानी स्कूल के प्रमुख लोग आए, वार्तालाप हुआ । युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी - आपका नोपानी स्कूल बहुत अच्छा हैं । आप अच्छी पढ़ाईं कराते हैं और फिर बच्चों को दुःखी बनने के लिए घर भेज देते हैं । आगन्तुक लोगों ने आश्चर्य के साथ पूछा- यह कैसे ? युवाचार्य श्री - आप बच्चों की समझशक्ति को तो बढ़ा देते हैं पर साथ में सहनशक्ति अगर नहीं बढ़ती हैं तो वे घर- परिवार में जाएंगे, अनेक बातों को देखेंगे । वे बातों को समझ तो लेंगे किन्तु सहन नहीं कर सकेंगे और दुःखी बन जाएंगे । आगन्तुक लोग - आपकी यह बात ठीक हैं, ऐसा तो होता हैं । युवाचार्य श्री - हम यही कह रहें हैं कि समझशक्ति के साथ सहनशक्ति भी बढ़नी चाहिए । परिवार में सहिष्णुता हों, एक - दूसरे के प्रति हितैषिता हो और अनुशासन हो तो परिवार का माहौल अच्छा बनता हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

> शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है।

> इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है।

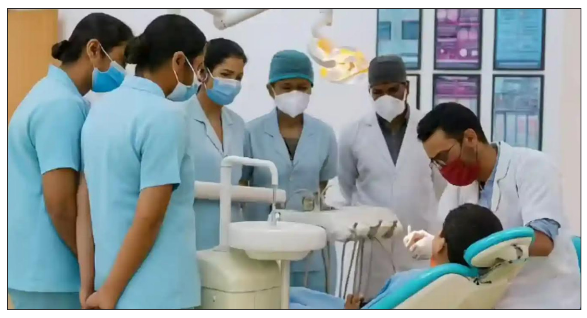

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके।

ललित गर्ग

बहरहाल वेणुगोपाल...

अशोक भाटिया

क्यों बार बार उठती है कर्नाटक के मुख्यमंत्री बदलने की बात

स्पष्ट है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा का मुख्य कारण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी।के। शिवकुमार के बीच 'सत्ता के बंटवारे' का अंदरूनी विवाद है। 2023 में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद से ही डी।के। शिवकुमार खेमा ढाई-ढाई साल के रोटेशनल फॉर्मूले के तहत उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और डी।के। शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया था। शिवकुमार खेमे का दावा है कि हाईकमान ने आधा कार्यकाल पूरा होने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हें सौंपने का वादा किया था।

बीते महीनों में कई बार नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें सामने आईं। डीके समर्थक खुले तौर पर सत्ता हस्तांतरण की बात करते रहे, जबकि सिद्दारमैया खेमे ने इसे खारिज किया। इससे सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर असहज स्थिति बनी रही। विपक्षी भाजपा और जेडीएस भी लगातार कांग्रेस की अंदरूनी कलह को मुद्दा बनाते रहे। कांग्रेस हाईकमान की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि यदि यह संघर्ष लंबा चला तो उसका असर 2028 के विधानसभा की तैयारी

और दक्षिण भारत में पार्टी की स्थिरता पर पड़ सकता है। इसलिए अब पार्टी नेतृत्व एक स्पष्ट सत्ता परिवर्तन मॉडल की ओर बढ़ता दिख रहा है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि चर्चा सिर्फ मुख्यमंत्री बदलने तक सीमित नहीं है। दरअसल राज्यसभा की तीन सीटों के लिए उम्मीदवार तय करने पर भी मंथन हो रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे का नाम राज्यसभा के लिए प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। इसके अलावा, विधान परिषद की तीन खाली सीटों पर भी चर्चा चल रही है। एक सीट पर सरकार के पास बहुमत है, बाकी को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यानी 'पावर बैलेंस' और संगठनात्मक समीकरण को साधने की कोशिश जारी है।

पार्टी के अंदरूनी संकेत बताते हैं कि डीके शिवकुमार को संगठन और हाईकमान का मजबूत समर्थन मिल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने कर्नाटक में पार्टी को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बनाने के लिए नेतृत्व परिवर्तन पर गंभीरता से विचार हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाय कमान की बैठक में सीएम की कुर्सी ट्रांसफर करने के लिए कांग्रेस ने बीजेपी का बिहार फॉर्मूला निकाल सकता है। जिस तरह बिहार में नीतीश कुमार को राज्यसभा और उनके बेटे को सम्राट चौधरी कैबिनेट में जगह दी गई है, उसी तरह सिद्धारमैया को ऑफर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, मैराथन मीटिंग के बाद हाईकमान ने सिद्धारमैया को सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद राज्यसभा भेजने का ऑफर दिया है। साथ ही उनके बेटे में डीके शिवकुमार के कैबिनेट में जगह दी जाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने छह घंटे से अधिक समय तक कांग्रेस हाई कमान मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ बिताए। उसी दिन राहुल ने एक एकांत बैठक के दौरान सिद्धारमैया से पार्टी में राष्ट्रीय भूमिका निभाने पर विचार करने को कहा। उनसे एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा गया।

बहरहाल वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा की बातों को अटकलें बताकर हालाँकि खारिज कर किया है । उन्होंने कहा कि बैठकें आगामी राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों तक ही सीमित थीं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने राहुल से कहा कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है, लेकिन राहुल ने जोर दिया कि वह कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने के लिए इस अनुभवी OBC नेता को अपनी टीम में चाहते हैं। राहुल अब तक सिद्धारमैया को बदलने के विचार का विरोध करते रहे थे, जबकि पार्टी के शीर्ष पदों पर बैठे अन्य लोगों का मानना था कि नेतृत्व में बदलाव से कांग्रेस को मदद मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से स्वरोजगार को मिली नई रफ्तार

उत्तर प्रदेश में युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित सरकारी योजनाएं अब धरातल पर व्यापक बदलाव ला रही हैं। युवाओं को खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए बेहतर योजनाओं के सहयोग के साथ प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किया गया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य के भीतर एक ऐसा अनुकूल माहौल तैयार करना है जहां नया विचार रखने वाला कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में पीछे न छूटे। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए आशा की नई किरण लेकर आई है जो अपने हुनर के दम पर बाजार में नई पहचान बनाना चाहते हैं।

इस नई पहल के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पारंपरिक रूप से किसी भी नए व्यवसाय को शुरू करने में सबसे बड़ी बाधा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता और बैंकों से ऋण लेने के लिए गिरवी रखने की शर्त होती है। प्रदेश सरकार ने इस व्यावहारिक समस्या को समझा और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बिना किसी सुरक्षा या गारंटी के पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की। इसके अतिरिक्त शुरुआती वित्तीय बोझ को कम करने के उद्देश्य से कुल परियोजना लागत पर दस प्रतिशत की मार्जिन-मनी सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है, जो नए उद्यमियों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही है।

यह योजना केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें विनिर्माण, सेवा और व्यापार जैसे व्यापक क्षेत्रों को शामिल किया गया है। योजना के क्रियान्वयन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है, जिसके तहत बेरोजगार युवाओं के साथ-साथ महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन के माध्यम से इन लक्षित समूहों तक योजना की जानकारी और लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि युवाओं को आत्मनिर्भर होने में सहायता देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। कानपुर औद्योगिक नगरी के रूप में अपनी एक विशेष पहचान रखता है और यहां इस योजना के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। शहर की एक शिक्षित युवती प्रभनूर कौर ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन को एक नई दिशा दी है। प्रभनूर को बचपन से ही बेकिंग का शौक था और वे अक्सर पारिवारिक आयोजनों और मित्रों के लिए विशेष केक और बेकरी उत्पाद तैयार करती थीं। उनके उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की हमेशा सराहना होती थी, जिससे धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने महसूस किया कि इस शौक को एक व्यावसायिक रूप दिया जा सकता है और इसे अपनी जीविका का मुख्य साधन बनाया जा सकता है।

अपने इस सपने को व्यावसायिक धरातल पर उतारने के लिए उन्होंने केवल अपने बुनियादी ज्ञान पर निर्भर रहना उचित नहीं समझा। उन्होंने दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में आयोजित प्रतिष्ठित बेकरी वर्कशॉप में भाग लिया।

जरा हटके

दिव्यांगजनों के लिए...

मो0 इक़बाल खाँ, सूचना अधिकारी

प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों को दी है, निःशुल्क बस यात्रा की सौगात

भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश है, जहाँ करोड़ों लोग प्रतिदिन सड़क, रेल और हवाई परिवहन सेवाओं का उपयोग करते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन दिव्यांगजनों की भी है, जिन्हें यात्रा के दौरान विशेष सुविधाओं और सहयोग की आवश्यकता होती है। दिव्यांगजन भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से यात्रा करनी पड़ती है। लंबे समय तक दिव्यांगता को केवल दया और सहानुभूति के दृष्टिकोण से देखा जाता था, लेकिन बदलते समय के साथ समाज की सोच में व्यापक परिवर्तन आया है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजन को अधिकार आधारित व्यवस्था के माध्यम से समान अवसर उपलब्ध कराना है। दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्य भी है।

इसी उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए "सुगम्य भारत अभियान" और "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016" के अंतर्गत परिवहन सुविधाओं को अधिक सुलभ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन को अधिक समावेशी बनाने पर विशेष बल दिया है। परिवहन केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की स्वतंत्रता,

आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता से भी जुड़ा हुआ है। यदि कोई दिव्यांग व्यक्ति आसानी से यात्रा कर सके, तो वह शिक्षा प्राप्त कर सकता है, नौकरी कर सकता है, सामाजिक जीवन में भाग ले सकता है और अपने अधिकारों का उपयोग कर सकता है। उ0प्र0 की योगी सरकार ने सार्वजनिक बसों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष सीटें आरक्षित की हैं। इन सीटों पर स्पष्ट संकेत बनाए गये हैं ताकि अन्य यात्री उनका उपयोग न करें। "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016" के तहत दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर और सुगम परिवहन का अधिकार प्रदान किया गया है। इस कानून के अनुसार सरकार और निजी संस्थानों को सार्वजनिक परिवहन को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाना आवश्यक है। इसी भावना के अनुरूप दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया, जिसके माध्यम से दिव्यांगजन को शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक सुविधाओं में बेहतर अवसर प्रदान किए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए गतिशीलता (डवइपसपजल) स्वतंत्रता का आधार है। इसे समझते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार ने 'उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम' (न्च्ैत्ज्ब्) की बसों में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की है।

दिव्यांगजनों के लिए यात्रा करना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा सुविधा दी गई है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य श्रेणी की बसों में न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले सभी दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले अथवा बहुदिव्यांग व्यक्तियों को एक सहायक के साथ यात्रा करने की अनुमति दी गई है। प्रदेश सरकार की यह सुविधा दिव्यांगजनों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिव्यांगजनों के लिए अन्तिम गन्तव्य तक (चाहे वह राज्य की सीमा से बाहर ही क्यों न हो) निर्धारित की गयी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सत्ता संभालने से लेकर अब तक हर वित्तीय वर्ष में राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क यात्रा हेतु बजट में बढोत्तरी की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि 40.00 करोड़ रूपये के सापेक्ष उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम को दिव्यांगजनों को निःशुल्क बस यात्रा हेतु अद्यतन कुल 95 प्रतिशत भुगतान किया गया है। योगी सरकार की यह वित्तीय अनुदान धरातल पर लाखों दिव्यांगजनों के जीवन में उजाला ला रही है।

प्रदेश सरकार संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की निःशुल्क बस यात्रा सुविधा दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। आज दिव्यांगजन केवल सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदार बन कर उभरे हैं। भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में दिव्यांगजनों के सम्मान, स्वावलंबन और सुगम जीवन के लिए जो कदम उठाए हैं, वे न केवल सराहनीय हैं बल्कि अन्य राज्यों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल भी हैं। दिव्यांगता अब प्रगति की राह में बाधा नहीं है, क्योंकि प्रदेश सरकार ने 'अंत्योदय' के संकल्प को सिद्ध करते हुए दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ठोस नीतियां लागू की हैं। दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वे समाज के विकास में सक्रिय योगदान देने की क्षमता रखते हैं।

सड़कों पर पानी की बौछारें डाल रहे, 34 जिलों में लू, 16 में बारिश का अलर्ट

यूपी में पारा 47.4 डिग्री सेल्सियस

नौतपा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में नौतपा का आज तीसरा दिन है। मौसम के दो रंग नजर आ रहे हैं। पूर्वांचल में आंधी-बारिश के असर से बुधवार सुबह गर्मी थोड़ी कम है। वहीं, बुंदेलखंड में बांदा 47.4°C के साथ देश में सबसे गर्म शहर रहा। पश्चिमी यूपी में भी गर्मी से लोगों के हाल बेहाल हैं। झुलसाने वाली गर्मी के बीच अयोध्या में चलते ऑटो में आग लग गई। यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। झांसी में सड़कों को ठंडा रखने के लिए पानी बौछारें डाली जा रही हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि 35 जिलों में हीटवेव (लू) की भी चेतावनी जारी की है। इनमें से 6 शहरों-आगरा, जालौन, झांसी, बांदा, हमीरपुर और महोबा के लिए रेड अलर्ट है। यानी यहां बहुत गर्म हवाएं चलेंगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में नौतपा में मौसम बदला रहेगा। गर्मी और लू से राहत मिलने के संकेत हैं। क्योंकि, कल यानी 28 मई से नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसमें आंधी-तूफान, गरज-चमक और बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। तापमान में 6-8°C तक की गिरावट आ सकती है। नौतपा के 9 दिनों के दौरान तापमान 40-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

- 28 मई: पूर्वी यूपी के कुछ इलाकों में बारिश होगी। पश्चिमी यूपी में भी कहीं-कहीं बौछारें पड़ सकती हैं।
- 29 मई: पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं बारिश की संभावना है। पूर्वी यूपी में ज्यादातर इलाकों में अच्छी बारिश होगी।
- 30 मई: प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। आंधी-तूफान के साथ बिजली भी गिर सकती है।
- 31 मई: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। लू और उमस से राहत मिलेगी।
- 1 जून: पश्चिमी यूपी में हल्की और पूर्वी यूपी में अच्छी बारिश के आसार है। पारे में गिरावट जारी रहेगी।

बकरीद को लेकर प्रशासन अलर्ट, सड़क पर नमाज़ पर रोक

फर्रुखाबाद डीएम बोले- मस्जिद और ईदगाह के भीतर ही अदा होगी नमाज

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। बकरीद के त्योहार को लेकर फर्रुखाबाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिलाधिकारी डॉ. अंकुल लाठर ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सड़क पर नमाज़ अदा नहीं की जाएगी। नमाज केवल मस्जिदों और ईदगाहों के भीतर ही पढ़ी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 171 मस्जिदें और 58 ईदगाहें हैं, जहां बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। पिछले शुक्रवार को धर्मगुरुओं और पुलिस अधिकारियों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इसके अलावा सभी थाना स्तरों पर भी पीस कमेटी की बैठकें संपन्न हो चुकी हैं। प्रशासन की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थिति में सड़क पर नमाज़ नहीं होगी। यदि नमाज़ियों की संख्या अधिक होती है, तो लोग बारी-बारी से नमाज़ अदा कर सकते हैं। डीएम ने नगर पालिका अधिकारियों को त्योहार के दौरान साफ-सफाई और अवशेषों के उचित निस्तारण के लिए पर्याप्त गड्ढे तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पानी और बिजली की आपूर्ति सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि त्योहार के दौरान लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

फास्ट न्यूज

कुआनों नदी का कायाकल्प अभियान शुरू

बस्ती। बस्ती जिले की जीवनदायिनी कुआनों नदी के जीर्णोद्धार और स्वच्छता अभियान की औपचारिक शुरुआत बुधवार को की गई। हर्रैया विधायक प्रतिनिधि सरोज मिश्रा और कप्तानगंज विधायक प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान नदी किनारे सफाई अभियान चलाया गया, साथ ही वन विभाग द्वारा तटों पर वृक्षारोपण भी किया गया।

देवीपाटन मंडल की समीक्षा बैठक में अधिकारियों पर कमिश्नर सख्त

गोंडा। गोंडा के मंडलीय सभागार में बुधवार को देवीपाटन मंडल की कमिश्नर दुर्गा शक्ति नागपाल और जिलाधिकारी प्रियंका ने सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक की। बैठक में बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। समीक्षा के दौरान कमिश्नर दुर्गा शक्ति नागपाल ने विभिन्न योजनाओं में लापरवाही और फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने मंडलीय रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि खराब प्रदर्शन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अज्ञात वाहन ने मजदूर को रौंदा

एटा। एटा जिले में एक अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार मजदूर को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना बागवाला थाना क्षेत्र के हरनावली गांव के पास हुई। मृतक की पहचान करतला निवासी राजकुमार पुत्र झल्लू के रूप में हुई है, जो मलावन पावर प्लांट में मजदूरी करने जा रहे थे। स्थानीय लोगों ने सड़क पर घायल पड़े राजकुमार को देखा और तत्काल बागवाला थाना पुलिस को सूचना दी।

भाजपा के 12 साल पूरे होने कार्यशाला हुई

उन्नाव में महाअभियान की रणनीति बनाई, 5 जून से 21 जून तक चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक जिला कार्यशाला का आयोजन किया। बुधवार को जिला कार्यालय में आयोजित इस कार्यशाला का विषय "सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण" था। कार्यशाला में आगामी महाअभियान "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" की रणनीति तैयार की गई। यह अभियान 5 जून से शुरू होकर 21 जून 2026 तक चलेगा। मुख्य वक्ता अर्चना मिश्रा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्ष गरीबों, वंचितों, महिलाओं और किसानों के कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी कार्यक्रमों की शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग "सरल ऐप" के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। अभियान की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम के तहत व्यापक वृक्षारोपण से होगी। इसके बाद, 8 से 14 जून तक सांसद, विधायक और मंत्री विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर जनता से संवाद करेंगे।

इरफान सोलंकी पर रंगदारी मांगने का आरोप

बकरा बाजार गेट बंद कर पूर्व विधायक मुर्दाबाद के नारे लगाए, गनर पर मारपीट का आरोप

- पूर्व विधायक के गनर पर मारपीट का आरोप लगाकर नारेबाजी की गई।
- विवाद के बाद लोगों ने हलीम कॉलेज का गेट खोल दिया।

इस मामले में पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, अतुल श्रीवास्तव ने बताया- मंगलवार की देर रात चमनगंज थाना क्षेत्र में एक ही समुदाय के दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इसकी सूचना पर दोनों पक्षों की तरफ से रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की विस्तृत विवेचना की जा रही है। विवेचना में जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में पूर्व विधायक इरफान सोलंकी ने बताया- वर्षों से लगने वाली बकरामंडी में वसूली की शिकायत मिल रही थी। इसी जानकारी पर विधायक नसीम सोलंकी के साथ वहां गए थे। वहां मेरे सुरक्षा कर्मियों के साथ मारपीट की गई। उसकी कार्बाइन छीनने का प्रयास किया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी पर मारपीट, गाली-गलौज और रंगादारी मांगने का आरोप लगा है। यह आरोप चमनगंज के हलीम ग्राउंड में लगने वाले बकरा बाजार कमेटी के पदाधिकारी वफा अब्बास ने लगाया है। उनका आरोप है कि मंगलवार की रात पूर्व विधायक इरफान सोलंकी अपने गनर और समर्थकों के साथ बकरा मंडी पहुंचे। वहां उनके गनर ने उनके साथ मारपीट की और 2.70 लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया। इस मामले में पुलिस ने इरफान सोलंकी और उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ

गाली-गलौज, मारपीट और धमकाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जबकि इरफान सोलंकी की विधायक पत्नी नसीम सोलंकी के गनर अजीम अहमद की तहरीर पर तीन नामजद वफा अब्बास, इमरान, फहद के अलावा उनके अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी की रिपोर्ट दर्ज हुई है।

गनर पर मारपीट का आरोप लगाकर हंगामा, नारेबाजी

इसके बाद चमनगंज में बकरा बाजार के पदाधिकारी के पक्ष में सैकड़ों की संख्या में व्यापारी व इलाकाई लोग इकट्ठा हो गए। पूर्व विधायक के गनर की ओर से मारपीट से आक्रोशित लोगों ने हलीम ग्राउंड के सभी गेट बंद कर जमकर हंगामा किया। पूर्व विधायक मुर्दाबाद के नारे लगाए। मौके पर पहुंची चमनगंज पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन पदाधिकारी आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे।करीब 2 घंटे चले हंगामे के बाद बकरा मंडी पदाधिकारी ने लूट, रंगदारी, मारपीट मामले में तहरीर दी। उसके बाद पुलिस ने दोनों पक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

34 महीने जेल में रहे, 8 महीने पहले जमानत पर बाहर

कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के विधायक रहे इरफान सोलंकी शहर में डिफेंस कॉलोनी में आगजनी मामले में जेल से जमानत पर बाहर हैं। वह 34 महीने जेल में रहकर पिछले साल 30 सितंबर 2025 को महाराजगंज की जेल से बाहर आए थे। तब से वह जमानत पर बाहर ही हैं।

आपत्तिजनक होर्डिंग पर सपा का प्रदर्शन

पूर्व प्रत्याशी आंचल वर्मा ने साड़ी पर संदेश लिखकर जताया विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में कथित आपत्तिजनक होर्डिंग लगाए जाने का मामला बुधवार को राजनीतिक रंग ले गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे पर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान सपा की पूर्व प्रत्याशी डॉ. आंचल वर्मा एक सफेद साड़ी पहनकर पहुंचीं, जिस पर काले अक्षरों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों और भाजपा सरकार पर आरोपों से संबंधित संदेश लिखे थे।

डॉ. आंचल वर्मा ने बताया कि उनकी साड़ी महिलाओं पर हुए अत्याचारों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उन्नाव, हाथरस और लखीमपुर खीरी जैसी घटनाओं में बेटियों के साथ हुई दर्दनाक वारदातों को दर्शाने के लिए उन्होंने यह विरोध स्वरूप साड़ी पहनी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उन्नाव की उस पीड़िता की पीड़ा आज भी लोगों के दिलों में जीवित है, जिसे सड़कों पर जिंदा जलाने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। हाथरस और लखीमपुर खीरी की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों के खिलाफ बढ़ते अपराध सरकार की नाकामी को उजागर करते हैं। डॉ. आंचल वर्मा ने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को महिला विरोधी बताने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि और किसानों की समस्याओं जैसे मुद्दों को भी उठाया। वहीं, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश यादव और पूर्व सांसद अन्नू टण्डन ने आरोप लगाया कि जिले समेत कई जनपदों में लगाए गए होर्डिंग भाजपा प्रायोजित हैं। उन्होंने कहा कि यह सब जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मूल समस्याओं से भटकाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर डीजल-पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रित करने और युवाओं को रोजगार प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। सपा नेताओं ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर लगे होर्डिंग हटा दिए हैं।

देवी मान्यता के लिए छोड़े गए बकरे की चोरी

हरदोई। हरदोई में देवी मान्यता के लिए छोड़े गए एक बकरे की हुई चोरी। बुधवार दोपहर गांव के कुछ लोगों ने दो युवकों को बाइक पर बकरे को ले जाते हुए देखा। ग्रामीणों को शक होने पर दोनों को रोककर पूछताछ की। लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने बताया कि बकरा देवी मान्यता के तहत छोड़ा गया था। जिसे गांव के लोग धार्मिक आस्था से जोड़कर देखते हैं। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों युवकों को थाने ले गई। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। घटना पचदेवरा थाना क्षेत्र के अनंगपुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर अनंगपुर गांव के पास दो व्यक्ति बाइक पर एक बकरा ले जाते हुए दिखाई दिए। जिसके बाद ग्रामीणों को संदेह हुआ और मौके पर कई ग्रामीण दोनों को रोककर पूछताछ की।

पोती का शव लेकर जा रही दादी की मौत

दादा का हाथ कटकर लटका, गोंडा में तेज रफ्तार ऑटो डीसीएम में घुसा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में तेज रफ्तार ऑटो और डीसीएम की टक्कर में नवजात पोती का शव लेकर जा रही दादी की मौत हो गई। एक बुजुर्ग का हाथ कटकर अलग हो गया। हादसे में मृत महिला की बहू और एक आशा कार्यकर्ता भी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने ऑटो चालक की जमकर पिटाई कर दी। हादसा मंगलवार रात 11 बजे देहात कोतवाली क्षेत्र के बालपुर जाट के पास हुई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से महिला को लखनऊ रेफर कर दिया गया। करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कुंवरपुर अमरहा के सिकिहा गांव निवासी अर्जुन तिवारी प्राइवेट जॉब करते हैं। उनकी पत्नी सविता (35) गर्भवती थीं। पत्नी को डिलीवरी के लिए अर्जुन ने गोंडा के जिला महिला अस्पताल में सोमवार को भर्ती कराया था। उनके साथ अस्पताल में चाची मीरा देवी (65) और आशा कार्यकर्ता पुष्पा सिंह (32) थीं। मंगलवार देर शाम सविता ने एक बच्ची को जन्म दिया था। हालांकि, खून की कमी के कारण नवजात की हालत बिगड़ गई। रात में ही नवजात की मौत हो गई। इसके बाद मीरा देवी, बहू सविता, आशा कार्यकर्ता के साथ नवजात का शव लेकर ऑटो से अपने घर सिकिहा गांव लौट रही थीं।

विवाद : कसूर सिर्फ इतना था- पानी के लिए हैंडपंप चलाने को कहा था

दबंग ने साधु को पीट-पीटकर मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज में दबंग ने एक साधु की पीट-पीटकर हत्या कर दी। साधु का कुसूर बस इतना था कि पानी पीने के लिए उसने एक दबंग को हैंडपंप चलाने को कह दिया। इस पर वह भड़क गया और साधु को मारना-पीटना शुरू कर दिया।

हालांकि, लोगों ने उस समय साधु को बचा लिया। लेकिन, कुछ ही देर बाद आरोपी ने फिर से साधु को पकड़ लिया और लाठी से पीटकर अधमरा कर दिया। गंभीर हालत में गांव के लोगों ने साधु को अस्पताल पहुंचाया, जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मंगलवार की यह वारदात जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर नगला पीपल गांव की है। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। 35 वर्षीय साधु विपिन कुमार करीब 15 सालों से नगला पीपल और भरसोली गांव के अलग-अलग मंदिरों में रहकर सेवा करते थे। दिनभर वह मंदिरों में ही रहते थे। पूजा-पाठ करते थे। साधु की बहन की शादी नगला पीपल गांव में ही हुई है। इस पर कौशल भड़क गया। उसने कहा- तुम खुद ही अपनी शक्तियों से नल चला लो। इस पर आरोपी और साधु के बीच कहासुनी होने लगी और मारपीट शुरू हो गई। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया।

तिराहे पर घेरकर दोबारा पीटा

गांव के लोगों के अनुसार, नगला नल्ली गांव में एक भोज आयोजित था। शाम करीब 3 बजे साधु विपिन उसमें शामिल होने जा रहे थे। वह भड़पुरा तिराहे पर टैक्सी का इंतजार कर रहे थे। उसी समय आरोपी कौशल वहां पहुंच गया। उसने साधु पर डंडे से वार किया। इस अचानक हुए हमले से विपिन जमीन पर गिर गया। इसके बाद आरोपी ने साधु के सीने और पीठ पर 7-8 डंडे मारे और लात-घूसों से मारकर अधमरा कर दिया।

साधु को मारते देख आसपास के लोग दौड़ते हुए पहुंचे। आरोपी से साधु को फिर बचाया। गंभीर रूप से घायल साधु को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर ने भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। डॉक्टर्स के अनुसार, हमले में साधु के सिर पर गहरी चोटें आई थी। उनके सीने और पीठ पर भी चोटों के निशान थे।

खनन माफिया के लिए काम करता है आरोपी

उधर, साधु की मौत के बाद पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी कौशल को अरेस्ट कर लिया। पुलिस और ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी खनन माफियाओं के संपर्क में रहता है और गांव में दबंगई करता है।

जीजा जयप्रकाश ने बताया- मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे से 2 बजे के बीच साधु विपिन गांव के मंदिर के पास पीपल के पेड़ के नीचे बैठे थे। वहीं पास में एक हैंडपंप है। प्यास लगने पर वह हैंडपंप के पास पहुंचे, वहां मौजूद भड़पुरा के कौशल कुमार से उन्होंने नल चलाने को कह दिया।

31 बीघा अवैध प्लॉटिंग में तीन घंटे तक जेसीबी चली

केडीए ने आदर्श विहार सोसाएटी का ऑफिस गिराया, 71.5 बीघा में नोटिस जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

- केडीए द्वारा आदर्श विहार सोसाएटी के आफिस को गिराया गया।

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अवैध प्लाटिंग और अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ मंगलवार को कार्रवाई करते हुए जोन-4 क्षेत्र में करीब 31 बीघे में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया। वहीं 71.5 बीघे में की जा रही चार अन्य प्लाटिंग को नोटिस जारी किया गया है। अवैध प्लॉटिंग में कार्रवाई के दौरान आदर्श विहार सोसाएटी का ऑफिस भी गिरा दिया गया। विशेष कार्याधिकारी प्रवर्तन (जोन-4) और एसडीएम डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में सनिगवां स्थित आदर्श विहार सोसाइटी में अभियान चलाया गया। यहां अजब सिंह, सुरेंद्र कुशवाहा, हिमांशु समेत अन्य लोगों की ओर से बिना मानचित्र स्वीकृति के लगभग 31 बीघे में प्लॉटिंग की जा रही थी। तीन घंटे चले अभियान में दो जेसीबी की मदद से अवैध रूप से बनाई गई सड़कें, नाले, बाउंड्रीवॉल, बिजली के खंभे, पिलर, एंट्री गेट, सीवर लाइन व कई निर्माणाधीन भवनों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा अहिरवां और नगवां क्षेत्र में करीब 71.5 बीघे में विकसित की जा रही चार अन्य अवैध प्लॉटिंग को भी चिन्हित किया गया है। इनमें शामिल निर्माणकर्ताओं को नोटिस जारी कर स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत करने को कहा गया है। निर्धारित समय में जवाब न मिलने पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। डॉ. रवि प्रताप सिंह ने लोगों से अपील की कि प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी जरूर प्राप्त करें और मानचित्र स्वीकृत कराकर ही निर्माण कराएं, ताकि भविष्य में आर्थिक और मानसिक नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बच्चे को बेचने जा रहे किडनैपर्स का एनकाउंटर

फायरिंग के बीच बच्चा सड़क पर रोता रहा, दरोगा ने दौड़कर गोद में उठाया

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में डेढ़ साल के बच्चे को बेचने जा रहे 2 बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। बच्चे को सही सलामत उनके चंगुल से छुड़ा लिया। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस जैसे ही बच्चे को लेकर परिवार के पास पहुंची, मां ने दौड़कर उसे गले लगा लिया। फूट-फूटकर रोने लगी। हाथ जोड़कर पुलिसवालों को धन्यवाद देती रही। 3 दिन पहले (24 मई) बच्चा अपने घर के बाहर से लापता हो गया था। काफी देर तक नहीं लौटा, तो घरवाले पुलिस के पास पहुंचे। CCTV चेक किए गए, तो 2 लोग बच्चे को किडनैप कर ले जाते दिखे। बरेली एसपी (साउथ) अंशिका वर्मा ने टीम बनाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। इस बीच, मंगलवार सूचना मिली कि किडनैपर बच्चे को बेचने जा रहे हैं।

- एनकाउंटर के बीच दरोगा ने बच्चे को गोद में उठाया। उसे सुरक्षित स्थान पर ले गए। बच्चे के सिर पर चोट थी, जिस पर पट्टी बंधी थी।
- आईपीएस अंशिका वर्मा ने बच्चे को गोद में लेकर दुलारा। फिर उसके घरवालों के हवाले कर दिया।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। देर रात करीब 2 बजे 2 संदिग्ध बाइक से आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर यू-टर्न लेकर भागने लगे। उनके साथ बच्चा भी था। पुलिस ने पीछा किया, तो बदमाशों की बाइक फिसल गई। बच्चा बदमाशों से छिटककर सड़क किनारे झाड़ियों में गिर गया। इसी बीच खुद को घिरता देख किडनैपर्स ने फायरिंग कर दी।

पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। फायरिंग के बीच ही दरोगा सोमपाल जान पर खेलकर बच्चे के पास पहुंचे। उसे गोद में उठाकर एनकाउंटर स्पॉट से दूर ले गए। किडनैपर्स की फायरिंग में एक हेड कॉन्स्टेबल कौमिश कुमार भी घायल हुए हैं। किडनैपर्स की पहचान शाहजहांपुर के योगेश कन्नौजिया (28) और बदायूं के पवन सिंह (25) के रूप में हुई है।

इस बीच, एसपी अंशिका वर्मा ने दरोगा से बच्चे को अपनी गोद में ले लिया। काफी देर तक उसे दुलारा। फिर उसे घरवालों को सौंप दिया। मुठभेड़ शहर के मनौना धाम से करीब 15 किलोमीटर दूर फुलासी तिराहे पर हुई।

रमन की शिकायत पर पुलिस की 5 टीमें बनीं। CCTV खंगालने के बाद पुलिस ने किडनैपर्स की तलाश में दबिश देनी शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 26 मई की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि 2 लोग एक बच्चे के साथ फुलासी गांव में हैं।

किडनैपर्स की क्रिमिनल हिस्ट्री खंगाल रही पुलिस

पुलिस को पकड़े गए किडनैपर्स के पास से 2 तमंचे, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और अपहरण में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की बाइक मिली है। पुलिस किडनैपर योगेश कन्नौजिया और पवन की क्रिमिनल हिस्ट्री खंगाल रही है।

> 66 मूलरूप से बदायूं के रहने वाले रमन, मनौना धाम में कर्मचारी हैं। पत्नी और 3 बच्चों के साथ धाम के पास ही किराए पर रहते हैं। रमन ने बताया- 24 मई की सुबह 10.30 बजे बच्चे मंदिर परिसर के पास खेल रहे थे।

पुलिस ने बच्चे को सही सलामत उसके घरवालों को सौंप दिया।

घायल दोनों बदमाशों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मेरठ के नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

शव 10-15 दिन पुराना, पुलिस सोशल मीडिया से कर रही पहचान

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के रेलवे रोड थाना क्षेत्र स्थित प्रेमपुरी इलाके में बुधवार को एक नाले से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रेलवे रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

नाले में शव फंसा होने के कारण उसे निकालने के लिए नगर निगम की जेसीबी मशीन बुलाई गई। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई।

पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष प्रतीत हो रही है। शुरुआती जांच में शव करीब 10 से 15 दिन पुराना बताया जा रहा है। लंबे समय तक नाले में पड़े रहने के कारण शव की हालत काफी खराब हो चुकी थी, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मृतक की पहचान के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा ले रही है। मृतक की तस्वीर प्रसारित कर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

फास्ट न्यूज

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल जेल

सुलतानपुर। सुलतानपुर में एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दोषी को 20 साल की सजा सुनाई गई। पॉक्सो कोर्ट के विशेष जज नीरज कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को दोषी को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जो पीड़िता को दिया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने मात्र 20 दिन में आरोपपत्र दाखिल किया था, और प्रभावी पैरवी के चलते विशेष न्यायाधीश ने 17 महीने में ही फैसला सुना दिया।

अब्बास अंसारी ने हाईकोर्ट में आवमानना याचिका दाखिल की

प्रयागराज। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है। विधायक अब्बास अंसारी ने हिस्ट्रीशीट खोलने के मामले में याचिका दाखिल कर एसपी गाजीपुर को अवमानना याचिका में पक्षकार बनाया है। हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की हिस्ट्रीशीट खोलने के मामले में एसपी गाजीपुर को पुनर्विचार का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद अब्बास अंसारी की हिस्ट्रीशीट खोलने पर एसपी गाजीपुर ने कोई निर्णय नहीं लिया।

कालपी वन क्षेत्र में लगी भीषण आग

जालौन। जालौन जनपद के कालपी वन क्षेत्र में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। तेज गर्मी और हवाओं के कारण आग तेजी से कई किलोमीटर तक फैल गई, जिससे वन संपदा को भारी नुकसान होने की आशंका है। यह घटना कालपी कोतवाली क्षेत्र में 84 गुंबद के सामने स्थित वन क्षेत्र की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर के समय वन क्षेत्र से धुआं उठना शुरू हुआ, जो तेज हवा के कारण जल्द ही विकराल रूप ले लिया।

छेड़छाड़ करने वाले दो युवकों को 7-7 की जेल

झांसी में 4 मासूम बच्चियों को झाड़ियों में ले जाकर की थी गंदी हरकत

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में एक साल पहले 4 मासूम बच्चियों को झाड़ियों में ले जाकर छेड़छाड़ करने वाले दो युवकों को कोर्ट ने 7-7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 25-25 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया है। जो अदा नहीं करने पर 4 माह की जेल अतिरिक्त काटनी होगी। यह फैसला बुधवार को पॉक्सो एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद नेयाज अहमद अंसारी ने सुनाया है।

विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह कुशवाहा ने बताया- एक व्यक्ति ने प्रेमनगर थाने में तहरीर दी थी। जिसमें बताया था कि 13 मार्च 2024 को उसकी 11 साल और 9 साल की दो बेटी घर के बाहर खेल रही थी। साथ में पड़ोसी की 11 साल और 9 साल की 2 बेटी भी खेल रही थी। तभी प्रेमनगर के

महावीरनपुरा निवासी यशपाल यादव पुत्र होती सिंह और विक्रम यादव उर्फ पपोला पुत्र उत्तम यादव आए और चारों बच्चियों को कुरकरे, चिप्स, टॉफी, बिस्कुट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गए। झाड़ियों में ले जाकर उनके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने लगे। इससे परेशान होकर एक बच्ची चिल्लाने लगी। तब मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। तब दोनों आरोपी तमंचा लहराते हुए भाग गए थे। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज करके दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

बेटी बोली- मुझे लेकर जाओ, वरना पापा मुझे मार देंगे, कहा- मोबाइल पर लड़कों से बात करती थी

पिता ने सौतेली मां संग मिलकर की बेटी की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के पिता ने दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अपनी 17 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी। गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतका के मामा को इसका पता चला तो वह गांव पहुंच गए और विरोध कर दिया। मामा की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। मंगलवार देर रात हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिता ने बताया- बेटी मोबाइल चलाती थी और लड़कों से बात करती थी। इसलिए गला घोट कर हत्या कर दी। वहीं इस मामले में पुलिस को एक ऑडियो भी मिला है। ऑडियो में बेटी अपनी मौसी से बोल रही है कि

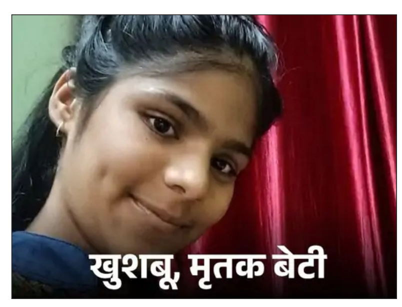

खुशबू, मृतक बेटी

मामा से कह दो, वह मुझे आकर ले जाएंगे, वरना यह लोग मुझे मार देंगे। घटना भावनपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी की है।भाव-नपुर थाना क्षेत्र की गोकुलधाम सोसाइटी में कपिल भारद्वाज परिवार के साथ रहते हैं। साल 2009 में कपिल भारद्वाज की शादी हापुड़ निवासी प्रीति से हुई थी। शादी के बाद प्रीति ने एक बेटी खुशी उर्फ़ खुशबु और फिर एक बेटे राधे को जन्म दिया। वर्ष 2017 में प्रीति की मौत हो गई। इसके बाद कपिल ने 6 महीने बाद ही पिंकी नाम की महिला से दूसरी शादी कर ली। सोमवार रात बेटी खुशी की में मौत हो गई। कपिल भारद्वाज ने आनन फानन में बेटी का अंतिम संस्कार भी कर दिया। मंगलवार दोपहर मृतका खुशी के मामा हापुड़ निवासी भूपेंद्र शर्मा पुत्र शिवकुमार शर्मा निवासी नई पन्नापुरी हापुड़ को किसी ने फोन कर बताया कि उनकी भांजी ख़ुशी की मौत हो गई है। वह जब तक मेरठ पहुंचते तब तक खुशी का अंतिम संस्कार हो चुका था। उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की और कपिल पर भांजी की हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने छानबीन शुरू की। कुछ घंटे बाद ही पिता कपिल को गिरफ्तार कर लिया।

> बताया कि 4 साल पहले पिंकी ने बेटे को जन्म दिया था, जिसके बाद से कपिल ने उनकी भांजी खुशी और भांजे राधे पर ध्यान देना बंद कर दिया। पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपी पिता और सौतेली मां को गिरफ्तार कर लिया है।

पिता से पूछताछ करने में जुटी पुलिस

मंगलवार देर रात ही पुलिस ने कपिल भारद्वाज के खिलाफ बेटी की हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। पिता ने ही बेटी की गला घोटकर हत्या की है। इसमें उसका साथ सौतेली मां ने भी की है। इस मामले में पुलिस ने कपिल की दूसरी पत्नी पिंकी को भी हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ चल रही है। जुर्म कबूल करने के बाद भी आरोपी कपिल पुलिस के गुमराह करता रहा। उसका कहना था कि खुशी की स्कूल से शिकायत आती थी। वह मोबाइल चलाती थी। साथ ही लड़को से बात करती थी। इसलिए उन्होंने हत्या की। महिला पुलिसकर्मियों ने पिंकी के बयान लिए तो वह भी बीमारी से मौत की बात कहकर पुलिस को गुमराह करती रही। पिंकी से पूछताछ की जा रही है।

फाइनल बहस की दूसरी तारीख पर नहीं लग पाई कोर्ट, जून मिड में आ सकता है फैसला

नीला ड्रम हत्याकांड में अब 2 जून को सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में अब 2 जून को सुनवाई होगी। केस में इस समय फाइनल बहस चल रही है। फाइनल बहस की दूसरी तारीख आज बुधवार 27 मई को थी। आज पीड़ित पक्ष यानि सौरभ की तरफ से केस लड़ रह वकील को अपनी दलीलें देना था। लेकिन कोर्ट नहीं बैठी, इसके चलते आज बहस नहीं हो सकी बुधवार को पीड़ित की ओर से सरकारी वकील डीजीसी केके चौबे को पक्ष रखना था। सौरभ के माता, पिता ने निजी वकील के रूप में सीनियर एडवोकेट विजय बहादुर सिंह को अपना केस दिया है।

देशभर में चर्चित यह नीला ड्रम हत्याकांड एक बड़ा हत्याकांड है। जिसमें पत्नी मुस्कान पर प्रेमी साहिल के साथ मिलकर मर्चेंट नेवी अफसर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या का आरोप है पति, पत्नी के पाक रिश्ते को कलंकित करने वाले इस केस में अदालत बहुत गंभीर है। जिला जज स्वयं इस केस को पूरी बारीकी से देख रहे हैं। इसलिए, केस में सरकारी वकील डीजीसी केके चौबे फाइनल बहस कर रहे हैं। केस में फाइनल बहस 21 मई के बाद शुरू हो चुकी है। पहले दिन डीजीसी ने मुकदमे की एफआईआर पढ़ी थी। साथ ही सभी 22 गवाहों के बयानों के बारे में अदालत को बताया था। जिससे यह साबित होता है कि सौरभ की हत्या साहिल, मुस्कान ने ही की थी। इनको सजा दी जाए। लेकिन अभी केस ट्रायल पर चल रहा है। फाइनल बहस शुरू हो चुकी है। फाइनल बहस पूरी होने के बाद इसमें अदालत अपना फैसला सुनाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला जज स्वयं इस केस की कार्यवाही पर नजर बनाए हुए हैं। इसी कारण सरकारी पक्ष से डीजीसी केके चौबे फाइनल बहस कर रहे हैं। फाइनल बहस की शुरुआत 21 मई से हो चुकी है। पहले दिन सरकारी वकील ने मुकदमे की एफआई-आर अदालत में पढ़ी थी। साथ ही 22 गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए अदालत को बताया था कि सभी साक्ष्य मुस्कान और साहिल के खिलाफ जाते हैं और दोनों को सजा दी जानी चाहिए। फिलहाल मामला ट्रायल के अंतिम चरण में है। फाइनल बहस पूरी होने के बाद अदालत इस बहुचर्चित हत्याकांड में अपना फैसला सुनाएगी।

जाली ज्वाइनिंग लेटर, आईडी थमाकर पांच लाख ठगे

प्रयागराज में जल निगम के ट्यूबवेल पर काम भी कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में जल निगम में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जाली ज्वाइनिंग लेटर, आईडी कार्ड देकर यह ठगी की गई। पीड़ित युवक को जल निगम के टयूबवेल पर बुलाकर कई दिनों तक काम भी कराया गया। फर्जी हाजिरी भी लगवाई गई। पुलिस की ओर से सुनवाई न होने पर पीड़ित ने अदालत की शरण ली, जिसके बाद थाना जार्जटाउन में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सोरांव के चांदपुर सराय भारत निवासी राजेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि 2021 में उसकी मुलाकात अशोक यादव से हुई। उसने खुद को जल निगम का अधिकारी बताते हुए कहा कि विभाग

में ट्यूबवेल ऑपरेटर की भर्ती निकली है। नौकरी के लिए पांच लाख रुपये खर्च होंगे। ससुर के सामने भी दिया भरोसा राजेंद्र ने यह बात अपने ससुर शिवशंकर को बताई। बाद में दोनों की मुलाकात अल्लापुर स्थित जल निगम कार्यालय में अशोक से हुई। वहां उसने विभाग के चार अन्य कर्मचारियों से भी मिलवाया। सभी ने भरोसा दिलाया कि रुपये देने पर नौकरी निश्चित रूप से मिल जाएगी

28 अक्टूबर 2021 को उसे रजिस्टर्ड डाक के जरिए फर्जी नियुक्ति पत्र भेजा गया। इसके बाद आरोपी ने उससे कुल पांच लाख रुपये ले लिए। इसमें करीब 1.80 लाख रुपये ऑनलाइन और शेष 3.20 लाख रुपये नकद दिए गए। पीड़ित का कहना है, उसे अल्लापुर लेबर चौराहा स्थित ट्यूबवेल पर बुलाकर कई दिनों तक काम कराया गया। यही नहीं एक रजिस्टर देकर हस्ताक्षर भी कराया जाता रहा। बाद में जानकारी हुई कि ज्वाइनिंग लेटर और आईडी कार्ड पूरी तरह फर्जी हैं तथा आरोपी कोई अधिकारी नहीं बल्कि प्रॉपर्टी डीलर है। पीड़ित ने बताया कि जब उसने अशोक और जल निगम के एक कथित कर्मचारी रमेश सिंह से पैसा वापस मांगा तो दोनों टालमटोल करने लगे।

पृष्ठ 01 का शेष...

पूर्व सीएम विजयन ...

कई वाहनों के शीशे टूट गए और कुछ कार्यकर्ताओं ने लाठियों से भी हमला किया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति बिगड़ने के बाद पुलिस बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह अधिकारियों को वहां से सुरक्षित निकाला। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। विजयन ने भाजपा सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार लंबे समय से केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कर रही है। उन्होंने दावा किया कि यह कार्रवाई भी उसी रणनीति का हिस्सा है। इस मामले में एक दिन पहले मंगलवार को Kerala High Court ने CMRL की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें कंपनी ने ED की जांच रद्द करने की मांग की थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद ही ED की कार्रवाई को और तेज माना जा रहा है। कानूनी जानकारों का कहना है कि हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद जांच एजेंसियों को कार्रवाई जारी रखने का रास्ता साफ हो गया। ED के अलावा इस पूरे मामले की जांच सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (SFIO) भी कर रहा है। जांच एजेंसियां कथित कॉरपोरेट लेनदेन, फंड ट्रांसफर और वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल में जुटी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केरल की राजनीति में आने वाले दिनों में बड़ा मुद्दा बन सकता है। विपक्ष जहां विजयन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहा है, वहीं वाम दल इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बता रहे हैं। ED टीम पर हमले की घटना के बाद भाजपा और कांग्रेस ने वामपंथी कार्यकर्ताओं की आलोचना की है। विपक्षी दलों का कहना है कि जांच एजेंसियों पर हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। वहीं वाम दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर केरल की राजनीति गरमा गई है और आने वाले दिनों में इस विवाद के और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

गुजरात के कच्छ ...

कि कोकीन की डिलीवरी देश में किसे और कहां होने वाली थी। गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के मुताबिक यह जहाज मुंद्रा तट से करीब 5 नॉटिकल मील (करीब साढ़े 9 किमी) दूर लंगर डाले खड़ा था। कोस्टगार्ड ने की घंटों तक इस पर नजर रखी। इसी दौरान अधिकारियों ने देखा कि जहाज से कुछ संदिग्ध बैग समुद्र में फेंके जा रहे हैं। इसके बाद कोस्टगार्ड और ATS की संयुक्त टीम हरकत में आई और रात में ही जहाज को घेरकर अपने कब्जे में ले लिया। एटीएस की छापेमारी में जहाज पर दो लोग मिले थे। इनमें से जुम्मा नासिर उमर नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह मूल रूप से नाइजीरिया का रहने वाला है। वहीं, एक अन्य आरोपी ने समुद्र में छलांग लगा ली थी, जिसकी तलाश की जा रही है। जहाज को कच्छ पोर्ट पर लाया गया है। इससे पहले 13 अप्रैल 2025 में पोरबंदर से 1800 करोड़ रुपए कीमत की 300 किलो ड्रग्स जब्त की गई थी। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) और कोस्टगार्ड ने 12 अप्रैल की रात जॉइंट ऑपरेशन में पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप पकड़ी थी। गुजरात ATS से मिली जानकारी के बाद कोस्टगार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) की ओर सर्चिंग के लिए जहाज भेजा था। कोस्टगार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्कर ड्रग्स के पैकेट्स समुद्र में फेंककर अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले थे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा ...

ऑनलाइन बैठक के दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश और दोनों जीएम एसपी सिंह व एके आरोड़ा मौजूद रहे। नोएडा में पहले फेज में 100 सिटी बसों का संचालन किया जाना है। हालांकि नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना क्षेत्र में कुल 500 बस चलेंगी। जिनका रेशियों 50:25:25 का होगा। जेवर एयरपोर्ट के लिए 110 बस संचालित की जाएंगी। इसकी तरह तीनों प्राधिकरण भी इसका वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) भी 50:25:25 के रेशियो में देंगी। बसों के लिए सेक्टर-90 और बॉटेनिकल गार्डन में इंफ्रास्ट्रकचर तैयार किया जा रहा है। इस योजना से दो लाख लोगों को फायदा होगा। साथ यमुना के जुड़ने से जेवर एयरपोर्ट जाना आसान हो जाएगा। इसके तहत सेक्टर-90 में 20 ईवी चार्जिंग लगाए जाएंगे। प्रत्येक चार्जिंग स्टेशन से दो बसों को एक साथ चार्ज किया जा सकता है। इसी तरह बॉटेनिकल गार्डन में 4 चार्जिंग स्टेशन होंगे। जिसमें आठ बसों को चार्ज किया जा सकेगा। दोनों स्टेशनों पर रात और दोपहर के सामय बसों को चार्ज किया जाएगा। बता दे एक बस फुट चार्ज के बाद 200 से 250 किमी की दूरी तय कर सकेंगी। जून के पहले सप्ताह में ई बस का ट्रायल होगा। ये ट्रायल डबल डेकर बसों के जरिए किया जाएगा। इसके 15 से 25 जून के बीच सभी बस आ जाएंगी। जिसके बाद इनको रुट पर उतार दिया जाएगा। डबल डेकर के अलावा सभी 90 बस 12 मीटर की होंगी। ये बस नोएडा के एमपी-1,2,3 जोनल रोड नंबर-6 और एक्सप्रेस वे पर चलेंगी। बसों का रूट दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक होगा। इसके लिए मिनिमम किराया 10 और अधिकतम 30 रुपए देने होंगे। मासिक पास कितने का होगा इस पर मंथन किया जा रहा है। टिकट ऐप बेस और मैन्यूवल भी लिए जा सकेंगे। जिन रूटों पर सिटी बस चलेंगी वहां से ई रिक्शा को हटाया जाएगा। जीएम एसपी सिंह ने बताया कि दो दिनों में एमओयू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यहां बस चलने से करीब 2 लाख लोगों को फायदा होगा। बसों की शुरुआत जून के पहले सप्ताह में होने जा रही है। 15-15 मिनट के अंतराल पर बस मिलेंगी। कुल 100 बस चलेंगी 5 स्टैंड बाइ पर रहेंगी। इसमें 10 डबल डेकर बस होंगी। ये डबल डेकर बस बोटेनिकल गार्डन से परिचौक तक चलेंगी। नौ और 12 मीटर की दो प्रकार की करीब 100 बस पहले फेज में चलेंगी। इनका संचालन यूपी रोडवेज करेगा।

एअर इंडिया हफ्ते में ...

इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय रूट लंबे हो गए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर पाबंदियों ने भी ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ा दी है। इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल फेडरेशन (FIA) के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सेक्टर में फ्यूल की कीमतों के भारी अंतर ने एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना दिया है। पहले एयरलाइंस के कुल ऑपरेशनल खर्च में फ्यूल का हिस्सा 40% होता था, जो बढ़कर 60% तक पहुंच गया है। एविएशन एनालिटिक्स फर्म 'सिरियम' के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च और अप्रैल में भारत की चार सबसे बड़ी एयरलाइंस के ऑपरेशन्स में पिछले साल की तुलना में 6% की गिरावट आई है। इस दौरान इंडिगो ने 4.5% और एअर इंडिया ने 7.5% कम उड़ानें संचालित कीं। एअर इंडिया की बजट एयरलाइन 'एयर इंडिया एक्सप्रेस' में सबसे ज्यादा 17.1% की गिरावट दर्ज की गई। ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने से एयरलाइंस ने इसका बोझ यात्रियों पर डाल दिया है, जिससे हवाई किराए महंगे हो गए हैं।

प्री-मानसून बारिश ...

नौतपा में घर से निकलते हुए सावधानः ये 7 चीजें साथ रखें, 11 सावधानियां जरूर बरतें, इन 9 संकेतों को इग्नोर न करें मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य की किरणें भारत के बड़े हिस्से पर लगभग सीधी पड़ती हैं। इससे जमीन तेजी से गर्म होती है और तापमान बढ़ जाता है। नौतपा की तेज गर्मी और लू से बचने के लिए बाहर निकलते समय कुछ जरूरी चीजें साथ रखें, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और धूप का असर कम हो। उत्तर प्रदेश का बांदा एक बार फिर मंगलवार को देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां पारा 47.4°C पहुंच गया। लगातार नवें दिन यहां तापमान 47°C के पार पहुंचा।

आईपीएल एलिमिनेटर में आज राजस्थान बनाम हैदराबाद, क्लासन टॉप स्कोरर बन सकते हैं

सूर्यवंशी के पास गेल का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी

IPL में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम मैच शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले को हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी के पास एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने बेंगलुरु की ओर से 2012 सीजन में 59 छक्के लगाए थे। वैभव इस सीजन 53 सिक्स लगा चुके हैं।

राजस्थान की टीम हैदराबाद को पिछले 6 मैच से नहीं हरा पाई है।

टीम को पिछली जीत 2 अप्रैल 2023 को हैदराबाद में मिली थी। तब राजस्थान ने हैदराबाद को 72 रन से हराया था।

हैदराबाद ने 2024 सीजन में राजस्थान को क्वालिफायर-2 हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, टीम कोलकाता से फाइनल हार गई थी। राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने 25 अप्रैल 2026 को SRH के खिलाफ प्रफुल हिंगे के पहले ओवर में 4 छक्के लगाए थे। IPL इतिहास में पहली बार किसी बल्लेबाज ने पारी के पहले ओवर में 4 छक्के लगाए थे।

ओपनर्स तय करेंगे मैच का रुख

एलिमिनेटर मैच का नतीजा पावरप्ले में ओपनर्स के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। राजस्थान की ओर से ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा हैं, तो हैदराबाद की ओर वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी है। ये चारों ओपनर्स हैं, जो कि शुरुआती 6 ओवर में ही मैच की दिशा बदल सकते हैं। प्लेऑफ मुकाबले में असली दबाव भी इसी फेज में रहता है।

राजस्थान रॉयल्स जेम्स फॉकनर IPL में 2 बार 5 विकेट हॉल (पारी में 5 विकेट) हासिल करने वाले इकलौते गेंदबाज हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ दो बार यह अचीवमेंट हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी राजस्थान के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ इसी सीजन में शतक लगाया था। वे 14 मैच में 583 रन बना चुके हैं। इनमें 3 फिफ्टी शामिल हैं। वहीं, जोफ्रा आर्चर टॉप विकेट टेकर हैं। वे 14 मैच में 21 विकेट ले चुके हैं। आर्चर ने इस सीजन 8.76 की इकोनॉमी से रन दिए हैं।

एशियाड में भारत के पहले गोल्ड मेडलिस्ट रणधीर नहीं रहे

5 ओलिंपिक गेम्स में निशानेबाजी की, ओसीए प्रेसिडेंट बनने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। एशियन गेम्स में भारत को शूटिंग का पहला गोल्ड मेडल दिलाने वाले शूटर रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे 79 साल के थे और लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।

पूर्व निशानेबाज रणधीर ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों से ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। उन्हें 2024 में 4 साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था।

रणधीर ने 1978 बैंकॉक एशियन गेम्स के ट्रैप शूटिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने 5 ओलिंपिक गेम्स और एक कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की ओर से हिस्सा लिया। उन्हें 1979 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

रणधीर के परिवार से कई सदस्यों ने भारत को रिप्रेजेंट किया है। उनके चाचा महाराजा यादविंद्र सिंह ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला। वे IOC के सदस्य थे। रणधीर के पिता भलिंद्र सिंह भी फर्स्ट क्लास क्रिकेटर और 1947 से 1992 तक IOC सदस्य थे।

रणधीर अपने पीछे पत्नी विनीता और 3 बेटियां (महिमा, सुनैना और राजेश्वरी) छोड़ गए हैं। उनकी बेटी राजेश्वरी इंटरनेशनल लेवल पर ट्रैप शूटिंग करती हैं। राजेश्वरी ने 2022 एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था।

सबालेंका ने 16 महीने में रिकॉर्ड 30 मैच जीते ■ मेदवेदेव उलटफेर का शिकार

फ्रेंच ओपन : कार एक्सीडेंट के बावजूद जीतीं कोको गॉफ

मुकाबला

तमसा संकेत, एजेंसी

पेरिस । फ्रेंच ओपन में खिताब बचाने उतरीं अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ मंगलवार को एक छोटे कार हादसे का शिकार हो गईं। हालांकि, उन्हें चोट नहीं आई और वे मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गईं।

22 साल की गॉफ ने बताया कि रोलां गैरों पहुंचने के दौरान उनकी कार पोल से टकरा गई और क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें टैक्सी से स्टेडियम पहुंचना पड़ा। गाफ ने अपने ही देश की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया। गॉफ के

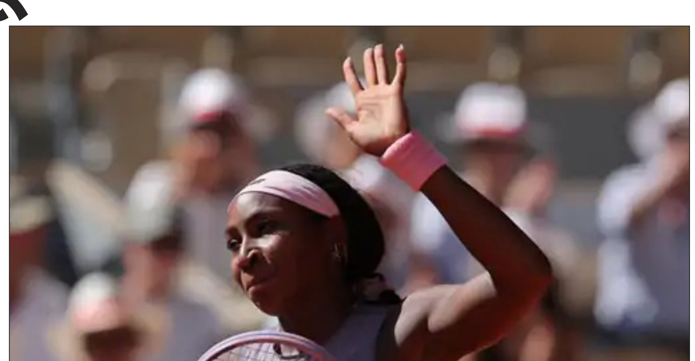

मुताबिक, दिन काफी घटनाओं से भरा रहा, जिससे उनका ध्यान मैच के दबाव से हट गया। कोको गॉफ पिछले साल फ्रेंच ओपन चैंपियन रही थीं। उन्होंने फाइनल में एरीना सबालेंका को हराकर खिताब जीता था। विमेंस सिंगल्स के एक अन्य मैच में जापान की नाओमी ओसाका ने जर्मनी की लौरा सीजमंड को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया। अब उनका मुकाबला क्रोएशिया की डोना वेकिक से होगा, जिन्होंने फ्रांस की एलीस टुबेलो को 6-3, 6-2 से हराया है। यूनान के स्टेफानोस सितसिपास अगले दौर में पहुंच गए। उनके प्रतिद्वंद्वी एलेक्जेंडर मुलर चोट के कारण मैच बीच में छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं, फ्रांस के 17 साल के मोइज कुआमे ने अनुभवी मारिन सिलिच को हराकर ग्रैंड स्लैम करियर की शानदार शुरुआत की। ATP टूर के अनुसार वे 2008 या उसके बाद जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जीत दर्ज की है।

■ ओसाका साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के तीसरे राउंड से हट गई थी। तब उन्होंने चोट पर ध्यान देने की बात कही थी।

> **पुरुष एकल में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने दानिल मेदवेदेव को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। वॉल्टन विश्व रैंकिंग में 97वें स्थान पर हैं और उन्हें टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था।**

सबालेंका ने जेसिका को हराया, 16 महीने में रिकॉर्ड 30वीं जीती

वर्ल्ड नंबर-1 एरीना सबालेंका ने पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो (वर्ल्ड नंबर-50) को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। पेरिस के कोर्ट फिलिप चैटरियर पर खेला गया यह मैच 75 मिनट तक चला। सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के बाद से विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा 30 ग्रैंड स्लैम मैच जीते हैं। उनसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड सिर्फ मेंस सिंगल्स कैटेगरी में यानिक सिनर (31) और कार्लोस अल्कारेज (31) के नाम है। जीत के बाद सबालेंका ने कहा- 'मैंने अपने नेट गेम में सुधार किया है। अब इस अंदाज में खेलने का आनंद ले रही हूं।'

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश नॉर्वे चेस के दूसरे दौर में हारे

नई दिल्ली, एजेंसी

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट मंगलवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए मिलाजुला रहा। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा को राउंड-2 में मजबूत स्थिति में आने के बाद हार झेलनी पड़ी। जबकि, महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार जीत दर्ज की।

राउंड-2 के बाद अलीरेजा फिरोजा 6 अंक के साथ ओपन कैटेगरी के टॉप पर हैं, जबकि गुकेश और वेस्ली सो 2.5 अंक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 4.5 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं।

डी गुकेश ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में लंबे समय तक दबाव बनाए रखा। 116 चालों तक चले मुकाबले में वे जीत के करीब दिखे, लेकिन मुकाबला ड्रॉ हो गया। इसके बाद निर्णायक गेम में वेस्ली सो ने उन्हें हरा दिया। मैच के बाद वेस्ली सो ने कहा कि गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा।

दूसरी ओर आर प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने हराया। शुरुआत में प्रज्ञानानंदा बेहतर स्थिति में थे, लेकिन फिरोजा ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ फिरोजा अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। प्रज्ञानानंदा को फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने मात दी। फिरोजा टॉप पर हैं।

■ **अमेरिका के वेस्ली ने हराया, कहा- गुकेश का गेम उनकी रैंकिंग जैसा नहीं दिखा**

मनोरंजन

चुनरी चुनरी गाने के रीमेक पर भड़के अभिजीत भट्टाचार्या

कहा- वरुण इस गाने से सलमान खान नहीं बन सकता

नई दिल्ली। वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है से गाना चुनरी चुनरी रिलीज हो चुका है। ये गाना 1999 की फिल्म बीवी नं. 1 के गाने का रीमेक है, जिसे अभिजीत भट्टाचार्या और अनुराधा श्रीराम ने गाया था। अब अभिजीत नया गाना देख भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि सुनकर ये किसी भजन जैसा लग रहा है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वरुण इस गाने से कभी सलमान नहीं बन सकेंगे।

हाल ही में एएनआई से बातचीत में सिंगर अभिजीत भट्टाचार्या ने कहा है, 'जब मैंने ये गाना (चुनरी चुनरी रीमेक सॉन्ग) सुना तो मुझे लगा कि

ये कोई भजन है। चुनरी चुनरी एक रोमांटिक ट्रेक था और इन लोगों ने अब इसे भजन बना दिया है।'आगे उन्होंने वरुण धवन की आलोचना करते हुए कहा, 'इस एक्टर (वरुण धवन) ने सिर्फ सेकेंड हैंड फिल्में की हैं। खासकर जब इसके पिता (डेविड धवन) ने ऑरिजिनल फिल्म बनाईं। उसने वही गाना इस्तेमाल किया, जो एक समय में हिट था। वरुण धवन इस गाने से सलमान खान नहीं बन सकता। सलमान खान और वरुण धवन में बहुद फर्क है।'

इसके अलावा अभिजीत ने कहा है, 'ये गाना सलमान खान के करियर का सबसे बड़ा हिट है। जब फिल्म आई है, तब से लेकर अब तक ट्रेंडिंग है। ये सलमान की लाइफ का सबसे बड़ा हिट है।

कार्तिक आर्यन स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा में 'बजरंगी भाईजान' जैसा इमोशन

मुंबई। कबीर खान अपनी नई फिल्म में फिर फैमिली-इमोशन और चाइल्ड-कनेक्ट वाले जॉनर में लौट रहे हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं और कहानी एक बच्चे व एक मैच्योर किरदार के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का टोन काफी हद तक सलमान खान स्टारर 'बजरंगी भाईजान' जैसी भावनात्मक अपील वाला रखा गया है। मेकर्स इसे भारी वीएफएक्स या बड़े सेट्स की बजाय कंटेंट-ड्रिवन फिल्म के तौर पर तैयार कर रहे हैं। फिल्म का बजट भी नियंत्रित रखा गया है। फिल्म का पहला बड़ा शेड्यूल मुंबई के मड आइलैंड में पूरा किया गया, जहां करीब 15 दिनों तक कश्मीर जैसा सेट तैयार किया गया था।

बोलीं- हमारे पसंदीदा डांस फॉर्म को मार दिया, फिल्म 'चांद मेरा दिल' के डांस सीन पर विवाद

अनन्या पांडे के भरतनाट्यम पर भड़कीं कांग्रेस प्रवक्ता

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की नई फिल्म 'चांद मेरा दिल' के एक डांस सीन को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। फिल्म में उनके भरतनाट्यम और कन्टेंपररी मिक्स (फ्यूजन) डांस सीक्वेंस की आलोचना हो रही है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद और क्लासिकल डांसर अनीता रत्नम सहित कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर नाराजगी जताई है।

शमा मोहम्मद ने कहा कि अनन्या ने उनके पसंदीदा डांस फॉर्म को खराब कर दिया है। वहीं, फिल्म की असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने अनन्या का बचाव करते हुए उनके काम की तारीफ की है। इस डांस

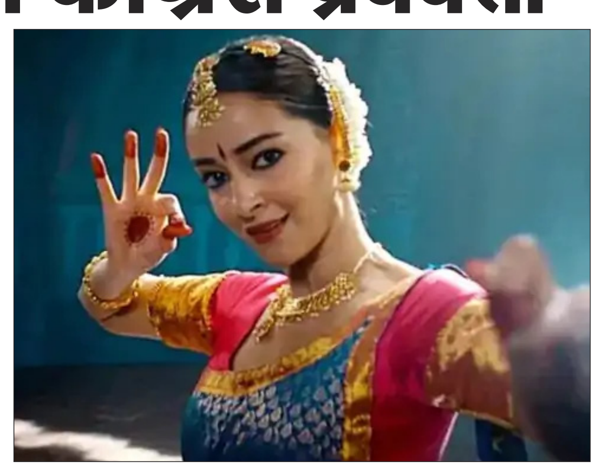

सीन पर राजनीति और कला जगत से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अनन्या पांडे ने मेरे पसंदीदा डांस फॉर्म भरतनाट्यम को खत्म कर दिया है। बचपन से भरतनाट्यम सीख चुकीं शमा ने आगे लिखा कि इस शास्त्रीय नृत्य को सीखने में लंबा समय लगता है, इसे किसी के लिए तुरंत तैयार नहीं किया जा सकता।

फिल्म रिलीज के बाद वायरल हुआ वीडियो

विवेक सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'चांद मेरा दिल' 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस कॉलेज रोमांस ड्रामा फिल्म में अनन्या पांडे के अपोजिट एक्टर लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म रिलीज होने के बाद से ही इसके एक डांस सीन की क्लिप एक्स (ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही है।

इस सीन में अनन्या का किरदार भरतनाट्यम और आधुनिक डांस स्टेप्स का एक फ्यूजन परफॉर्म करता है। इसी परफॉर्मेंस को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स अनन्या पांडे को ट्रोल कर रहे हैं।

सौतेली मां ने कोर्ट से संजय कपूर के ईपीएफ से पैसे निकालने की मांग की, नोटिस जारी

दावा : करिश्मा के बच्चों की फीस भरने में दिक्कत

नई दिल्ली, एजेंसी

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद से ही उनके बच्चों और उनकी पत्नी प्रिया सचदेव के बीच प्रॉपर्टी और वसीयत पर कानूनी जंग जारी है। फैसला आने तक कोर्ट ने संजय कपूर की प्रॉपर्टी फ्रीज कर दी है। मामले की सुनवाई के समय करिश्मा कपूर के बच्चों ने दावा किया था कि उनके पास स्कूल-कॉलेज की फीस भरने तक के लिए पैसे नहीं हैं। इस पर अब संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर ने एक याचिका दायर कर पति के EPF अकाउंट से पैसे निकालने की इजाजत मांगी है। मामले में अब कोर्ट ने अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा है। प्रिया

कपूर की याचिका की सुनवाई 26 मई को हुई, जिसमें 30 अप्रैल को कोऑर्डिनेट बेंच द्वारा संजय कपूर के सभी खातों को फ्रीज करने के आदेश पर आंशिक संशोधन की मांग हुई है। कोर्ट में सबमिट किए गए डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, प्रिया कपूर ने अंतरिम आदेश के अनुच्छेद 79 के खंड B और D में बदलाव करने का अनुरोध किया है। लाइव एंड लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रिया कपूर के वकील ने कोर्ट में साफ किया है कि EPF से निकाले गए पैसों का इस्तेमाल, सिर्फ करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए किया जाएगा। करिश्मा कपूर के बच्चों कियान और समायरा ने कोर्ट में याचिका दायर कर पिता संजय कपूर की वसीयत और प्रॉपर्टी में हिस्सेदारी मांगी थी। तब प्रिया कपूर ने कोर्ट में एक वसीयत दिखाई, जिसमें कियान और समायरा के नाम कुछ भी खास नहीं लिखा गया था।

> **संजय कपूर की मौत 12 जून 2025 को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। करिश्मा कपूर ने 2003 में संजय से शादी की थी। इससे उन्हें दो बच्चे कियान-समायरा हुए। शादी के 13 साल बाद करिश्मा-संजय ने आपसी सहमति से तलाक लिया था। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से तीसरी शादी की थी। करिश्मा से पहले उन्होंने नंदिता महतानी से पहली शादी की थी, लेकिन वो भी टूट गई।**

क्यों करिश्मा के बच्चों की फीस भरना चाहती हैं प्रिया

दरअसल, जब करिश्मा कपूर ने संजय कपूर से तलाक लिया था, तो बच्चों की पढ़ाई के खर्चे की जिम्मेदारी संजय कपूर ने लिखित ली थी। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी प्रिया ने उनके सारे अकाउंट्स पर हक जताया, जिसके बाद करिश्मा के बच्चों की जिम्मेदारी भी उन पर आई। वसीयत के लिए करिश्मा के बच्चों ने प्रिया के खिलाफ याचिका दायर की है, इसके बावजूद उनके खर्च की जिम्मेदारी प्रिया पर ही है। एक सुनवाई के दौरान करिश्मा की बेटी समायरा ने कोर्ट में कहा कि पिछले 2 महीनों से उनके कॉलेज की फीस नहीं भरी गई है। वो अमेरिका में पढ़ाई करती हैं। तब कोर्ट ने इस मामले पर दोनों पक्षों को फटकारा था। तब प्रिया के वकील ने कहा था कि वो बच्चों की फीस समय पर देंगे। लेकिन अकाउंट फ्रीज होने से अब उन्हें फीस चुकाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

रणवीर सिंह के सपोर्ट में उतरी इंडस्ट्री

चंकी बोले- मुझे भी बैन किया, मैंने ये झेला

नई दिल्ली। फरहान अख्तर की डॉन 3 अचानक छोड़ देने से FWICE (फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एप्लॉय्ज) ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। जब तक मामला नहीं सुलझता, तब तक रणवीर के साथ फेडरेशन से जुड़े लोग काम नहीं कर सकेंगे। इस घोषणा के बाद इंडस्ट्री के कई लोग उनके सपोर्ट में उतरे हैं। चंकी पांडे ने बताया है कि एक समय वो भी इस बैन का शिकार हो चुके हैं। माफी मांगने के बाद उन पर लगा बैन हटाया गया था। वहीं दूसरी तरफ FWICE के चीफ एडवाइजर अशोक पंडित ने बैन पर सफाई दी है।

चंकी पांडे ने रणवीर सिंह के विवाद पर हाल ही में ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया है कि 1987 में फिल्म इंडस्ट्री की हड़ताल थी और शूटिंग करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन ठीक उसी समय उनकी फिल्म आग ही आग की शूटिंग ऊटी में हुई। इस बात से नाराज फेरडरेशन ने फिल्म में काम करने वाले हर शख्स को बैन कर दिया था। हालांकि तब धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा इतने बड़े स्टार थे, जिनके पास एक साथ 30-40 फिल्में थीं, ऐसे में उन्हें बैन करना मुश्किल था। चंकी पांडे जो नए आए थे और उनकी पहली फिल्म भी रिलीज नहीं हुई थी, उन्हें एक हफ्ते के लिए बैन कर दिया था। विवाद पर चंकी पांडे ने माफी मांगी, जिसके बाद उन्हें दोबारा काम करने की इजाजत मिली। बातचीत में चंकी पांडे ने कहा है, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी और नाजुक है। मैंने ये सब खुद झेला है।

पाकिस्तान में 9 मुस्लिम जगहों के नाम नहीं बदलेंगे

निर्णय

हिंदू-सिख दौर का नाम रखा जाना था, कट्टरपंथियों के विरोध के बाद फैसला बदला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मरियम नवाज सरकार ने लाहौर की सड़कों, चौकों और इलाकों के पुराने नाम बहाल करने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। सरकार जिन नामों को बहाल करना चाहती थी, उनमें कई हिंदू और सिख दौर के नाम शामिल थे।

सरकार ने यह कदम कट्टरपंथी समूहों और सोशल मीडिया पर बढ़ते विरोध के बाद उठाया। कुछ लोगों ने इसे हिंदू और सिख पहचान वापस लाने की कोशिश बताते हुए धार्मिक रंग दे दिया था।

लाहौर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (रिटायर्ड) मोहम्मद अली एजाज ने पाकिस्तानी अखबार डॉन से कहा कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

पाकिस्तान बनने के बाद कई इलाकों के नाम बदल दिए गए थे। इसके बावजूद लाहौर के पुराने हिंदू और ब्रिटिश दौर के नाम आज भी लोगों की यादों और रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होते हैं।

कराची के इतिहासकार याकूब खान बंगश ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि 1947 के बाद लाहौर में वैसा वैचारिक बदलाव नहीं हुआ जैसा कराची जैसे शहरों में देखने को मिला था। उनके मुताबिक लाहौर में आने वाले ज्यादातर शरणार्थी कामकाजी तबके से थे, जिन्होंने शहर की पुरानी सामाजिक पहचान के साथ खुद को जोड़ लिया। इसी वजह से शहर का पुराना इतिहास लोगों की याद में बना रहा।

सरकारी बयान के मुताबिक, बैठक में मौजूद ज्यादातर लोगों ने माना कि लाहौर की ऐतिहासिक पहचान बहुमूल्य विरासत है और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जाना चाहिए। कई विशेषज्ञ पुराने नाम बहाल करने के पक्ष में थे।

नवाज शरीफ और मरियम नवाज की बैठक में मंजूर हुआ था प्रस्ताव

16 मार्च को लाहौर हेरिटेज एरियाज रिवाइवल (LHAR) की बैठक हुई थी। इसकी अध्यक्षता पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने की थी। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी इसमें शामिल थीं। इसी बैठक में लाहौर के कई पुराने प्री-पार्टिशन नाम बहाल करने का प्रस्ताव पास किया गया।

यह योजना लाहौर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को फिर से सामने लाने के लिए बनाई गई थी। बाद में मई में मरियम नवाज कैबिनेट ने भी इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी थी।

नवाज शरीफ का कहना था कि हमें यूरोप से सीख लेनी चाहिए। वे ऐतिहासिक नामों से छेड़छाड़ नहीं करते हैं। मरियम का कहना था कि लाहौर का इतिहास ही इसकी पहचान है। पुराने नाम और इमारतें इसका सबूत हैं। यह पूरा प्रोजेक्ट लाहौर अथॉरिटी फॉर हेरिटेज रिवाइवल (LAHR) के तहत चलाया जा रहा था। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, यह कई अरब पाकिस्तानी रुपए का प्रोजेक्ट है।

किलाहौर के 9 जगहों के नाम बदले जाने थे

वर्तमान नाम	मूल नाम
इस्लामपुरा	कृष्णनगर
सुन्नतनगर	संतनगर
मौलाना जफर चौक	लक्ष्मी चौक
बाबरी मस्जिद चौक	जैन मंदिर चौक
मुस्तफाबाद	धर्मपुरा
सर आगा खान चौक	डेविस रोड
अल्लामा इकबाल रोड	जेल रोड
फातिमा जिन्ना रोड	क्वींस रोड
बाग-ए-जिन्ना	लॉरेंस रोड

कट्टरपंथियों ने इसे धार्मिक मुद्दा बना दिया

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कट्टरपंथी तत्वों और सोशल मीडिया ब्लॉगर्स ने इस फैसले पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज का खुलकर विरोध किया। उन्होंने सरकार पर हिंदू और सिख नाम वापस लाने का आरोप लगाया और इसे धार्मिक मुद्दा बना दिया।

PTI के मुताबिक, सरकार को डर था कि इस मुद्दे पर बड़ा राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा हो सकता है। इसी वजह से प्रशासन ने फिलहाल फैसला टाल दिया। विरोध के बाद LHAR ने इतिहासकारों, शहरी योजनाकारों, आर्किटेक्ट्स और दूसरे विशेषज्ञों की एक बैठक भी बुलाई। इसमें लाहौर की पुरानी पहचान और ऐतिहासिक नामों को बचाने पर चर्चा हुई।

फास्ट न्यूज

ड्रग्स तस्करी में शामिल नाव पर अमेरिक सेना का हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में नशीले पदार्थों की तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

दक्षिणी कमान ने कहा है कि उसने अमेरिकी तटरक्षक बल को सूचित किया है ताकि बचे लोगों की खोज और बचाव प्रणाली को सक्रिय किया जा सके।

सरकारी हिस्सेदारी बिक्री की खबर से कोल इंडिया 5% गिरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार OFS के जरिए कोल इंडिया की 2% हिस्सेदारी बेच रही है। इस बिक्री में 1% शेयरों का बेस ऑफर और ओवरसब्सक्रिप्शन होने पर अतिरिक्त 1% हिस्सेदारी बिक्री शामिल है।

इस घोषणा के बाद आज 27 मई को इसके शेयर 5% गिरकर 428 रुपए पर आ गए। हालांकि अब इसमें थोड़ी रिकवरी आई है और ये वापस 446 पर पहुंच गया है।

सरकार ने इस बिक्री के लिए फ्लोर प्राइस 412 प्रति शेयर तय किया है, जो इसके पिछले क्लोजिंग प्राइस से करीब 11.2% कम है।

ईरान की जेल में महीनों से बंद 10 भारतीय नाविक रिहा

नई दिल्ली। भारत का नौवहन महानिदेशालय ने मंगलवार देर रात बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए 10 भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया गया है। इन नाविकों को जुलाई 2025 में एक ऑयल टैंकर पर पकड़ा गया था। महानिदेशालय के अनुसार, एमवी हार्बर फीनिक्स नामक जहाज के चालक दल को ईरान के जास्क पोर्ट के पास जहाज रोके जाने के बाद हिरासत में लिया गया था।

गर्लफ्रेंड को सैकड़ों पुरुषों से संबंध बनाने को किया मजबूर

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में 51 साल के पूर्व बैंक मैनेजर को गर्लफ्रेंड का 7 साल तक शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण करने के मामले में 25 साल जेल की सजा सुनाई गई। उस पर महिला को हिंसा और जबरन यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का आरोप था।

42 साल की पीड़ित लेटेसिया आर ने कोर्ट में कहा कि बैंककर्मी गिलौम बुची ने सेक्स गेम रिश्ते का बहाना बनाकर उन्हें धीरे-धीरे अपने कंट्रोल में लिया और फिर देह व्यापार में धकेल दिया।

वह उन्हें अपने दोस्तों, सहकर्मियों और अजनबियों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था और ग्राहकों की सूची भी बनवाता था। लेटेसिया ने कहा, "मैंने 487 पुरुषों के बाद गिनती करना बंद कर दिया था। इनमें कुछ लोग ऐसे थे जिनसे मुझे कई बार मिलना पड़ा।"

कोर्ट में चार घंटे से ज्यादा चली बहस के बाद फैसला सुनाया गया।

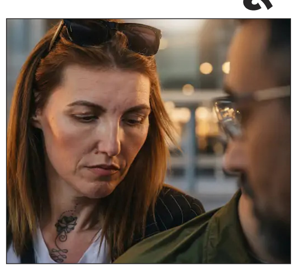

पीड़ित बोली- 487 लोगों के बाद गिनती छोड़ दी, दोषी को 25 साल की सजा

इसके बाद पीड़ित रो पड़ीं, जबकि आरोपी बिना किसी भाव के खड़ा रहा। लेटिसिया ने बताया कि यह सिलसिला 2015 में क्रिसमस के समय शुरू हुआ। तब बुची ने उसे हाईवे के पास एक सर्विस स्टेशन पर दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। उसे रेलवे स्टेशन और हाईवे के पास अजनबियों के साथ संबंध बनाने को मजबूर किया जाता था।

ट्रम्प चाहते हैं कि दुनिया घुटने टेके, इस तानाशाही से दुनिया पीछे जा रही

नेतन्याहू राष्ट्रवाद के सबसे बड़े दुश्मन : इजराइली इतिहासकार

तेल अवीव, एजेंसी

चर्चित इतिहासकार युवाल नोआ हरारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि इजराइल के इतिहास में नेतन्याहू से बड़ा इजराइली राष्ट्रवाद का दुश्मन कोई नहीं रहा। उन्होंने देश को अंदर से बांट दिया और लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प और उनके जैसे नेताओं की सोच यह है कि कमजोर हमेशा ताकतवर के सामने घुटने टेक दे, तभी शांति बनी रहेगी। यह अनैतिक और मूर्खतापूर्ण है क्योंकि इससे हर देश अपनी ऊर्जा सिर्फ हथियारों पर खर्च करेगा। हरारी ने कहा कि दुनिया ट्रम्पवाद और दक्षिणपंथी राजनीति कि ओर तेजी से बढ़ रही है। इसकी राजनीति करने वालों का मानना है कि दुनिया एक दूसरी की मदद करने से नहीं बल्कि ताकत और दबदबे से चलती है। लेकिन यह सोच इंसानी सभ्यता और दुनिया को पीछे धकेल रही है।

हरारी के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रम्प सहयोग में विश्वास नहीं रखते, वे सिर्फ सैन्य ताकत से कमजोर देशों पर दबादबा बनाना चाहते है।

हरारी बोले- ताकत ही सबकुछ होता तो हम आज भी शिकारी होते

हरारी का मानना है कि अगर केवल ताकत ही सब कुछ होती, तो इंसान आज भी छोटे-छोटे शिकारी समूहों में जी रहे होते। मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि इंसान लड़ सकता है, बल्कि यह है कि इंसान बड़ी संख्या में एक-दूसरे पर भरोसा कर सकता है।

उनके मुताबिक किसी देश को मजबूत बनाने के लिए लोगों का एक जैसी सोच और पहचान से जुड़ा होना जरूरी है। कई बार इसके लिए सख्त सत्ता और मजबूत नेतृत्व की भी जरूरत पड़ती है। हरारी का कहना है कि राष्ट्रवाद मानव इतिहास की सबसे सफल और सकारात्मक कहानियों में से एक रहा है।

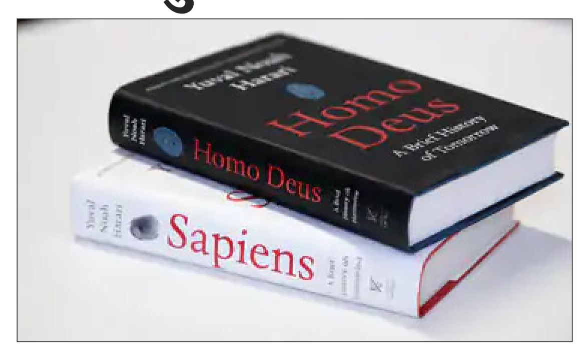

युवाल नोआ हरारी की मशहूर किताबें- सेपियंस और होमोडेयस।

हरारी बोले- सहयोग से ही दुनिया की तरक्की हुई

युवाल नोआ हरारी ने कहा कि उनकी सबसे चर्चित किताबें, जैसे सेपियंस और होमोडेयस को ध्यान से देखें तो एक बड़े विचार के इर्द-गिर्द घूमती हैं। सहयोग यानी कोऑपरेशन। हरारी ने कहा कि इंसानों की असली ताकत यही है कि वे बड़े पैमाने पर और लंबे समय तक मिलकर काम कर सकते हैं। यही वह चीज है जिसने इंसानों को कमजोर जीव से दुनिया की सबसे प्रभावशाली प्रजाति बना दिया। अकेला इंसान न तो शेर से लड़ सकता है और न भालू से, लेकिन करोड़ों लोग मिलकर समाज, देश, कानून, बाजार और तकनीक बना सकते हैं।

3 साल की बच्ची का 'मॉनिटर' ने रेप किया, केस की खुली सुनवाई शुरू

फ्रांस में 100 से ज्यादा स्कूलों में चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस इस समय एक बड़े चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल से जूझ रहा है। पेरिस समेत 100 से ज्यादा स्कूलों और डे-केयर सेंटरों में बच्चों के साथ हिंसा, यौन शोषण और रेप के आरोपों की जांच चल रही है। मामले सामने आने के बाद देशभर में आक्रोश बढ़ गया है।

पेरिस की प्रॉसिक्यूटर लॉर बेको ने बताया कि राजधानी में 84 प्रीस्कूल, करीब 20 प्राइमरी स्कूल और लगभग 10 डे-केयर सेंटरों में जांच चल रही है। कई मामलों में छोटे बच्चों के साथ रेप और यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप स्कूल मॉनिटर्स पर लगे हैं। ये वे कर्मचारी होते हैं जो बच्चों की देखभाल लंच ब्रेक, खेल, सोने के समय और आफ्टर-स्कूल गतिविधियों के दौरान करते हैं।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मंगलवार, 26 मई 2026 को #METooEcole (#MeTooSchool) आंदोलन से जुड़े लोग और समर्थक चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर के बाहर बच्चों के साथ यौन शोषण और हिंसा के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की। एक पोस्टर पर लिखा था- "मामले को दबने मत दो।"

फ्रांस में बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई आमतौर पर बंद कमरे में होती है, लेकिन इस बार पीड़ित परिवारों ने ट्रायल सार्वजनिक रखने की मांग की। परिवारों के वकीलों के मुताबिक वे गिसेल पेलिको के चर्चित रेप केस से प्रेरित थे। गिसेल ने कहा था कि "शर्म पीड़ितों नहीं, अपराधियों को होनी चाहिए।"

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मंगलवार, 26 मई 2026 को #METooEcole (#MeTooSchool) आंदोलन से जुड़े लोग और समर्थक चाइल्ड एब्यूज स्कैंडल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर के बाहर बच्चों के साथ यौन शोषण और हिंसा के मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की। एक पोस्टर पर लिखा था- "मामले को दबने मत दो।"

कोर्ट के बाहर #MeTooSchool आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर पर लिखा- "कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न डरे।"

बच्चों को भूखा रखने और मारपीट के आरोप

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि कुछ मॉनिटर्स बच्चों पर चिल्लाते थे, बाल खींचते थे और खाना देने से मना कर देते थे। कुछ मामलों में बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे हैं। पीड़ित परिवारों के वकीलों का कहना है कि कई अभिभावकों को शिकायत दर्ज कराने और कार्रवाई करवाने के लिए महीनों संघर्ष करना पड़ा।

एअर इंडिया हफ्ते में करीब 800 घरेलू फ्लाइट्स घटाएगी

इंडिगो भी 7% उड़ानें कम करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एअर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में 5% से 7% की कटौती कर सकती है। एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है। इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22% तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है।

एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा। उड़ानों में कटौती की सबसे बड़ी वजह 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष है। इससे जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा हुआ है।

इसके अलावा, ईरानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय रूट लंबे हो गए हैं और पाकिस्तानी एयरस्पेस पर पाबंदियों ने भी ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ा दी है।

इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल फेडरेशन (FIA) के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सेक्टर में फ्यूल की कीमतों के भारी अंतर ने एयरलाइंस के नेटवर्क को वित्तीय रूप से अस्थिर बना दिया है।

आपत्ति : कहा- दूसरे देश को टिप्पणी का हक नहीं, चीन ने इतिहास से जुड़ा विवाद बताया था

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर चीन पाक का बयान खारिज किया

> "विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सीपीईसी के कुछ प्रोजेक्ट भारत के उस क्षेत्र से गुजरते हैं, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है। भारत किसी भी ऐसी कोशिश का विरोध करता है, जो पाकिस्तान के कब्जे को मजबूत या वैधता देने की कोशिश करे।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के जिक्र को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। भारत ने चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) परियोजनाओं पर भी कड़ी आपत्ति जताई। यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के बाद जारी संयुक्त बयान के जवाब में आया है। इसमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर के हालात की जानकारी दी।

इसके बाद चीन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर मुद्दा इतिहास से जुड़ा विवाद है और इसका समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर, UNSC प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के तहत शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए। चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी योजना है। इसकी शुरुआत 2013 में की गई थी। इसमें चीन के शिंजियांग प्रांत से पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट तक 60 बिलियन डॉलर (करीब 5 लाख करोड़ रुपए) की लागत से आर्थिक गलियारा बनाया जा रहा है।

इसके जरिए चीन की अरब सागर तक पहुंच हो जाएगी। CPEC के तहत चीन सड़क, बंदरगाह, रेलवे और ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस रिलीज जारी कर जम्मू-कश्मीर पर चीन पाकिस्तान के बयान को खारिज किया।

भारत को सीपीईसी से एतराज

60 बिलियन डॉलर की लागत वाला CPEC पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौजूद ग्वादर पोर्ट और चीन के शिंजियांग को जोड़ेगा। सीपीईसी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके से भी गुजरता है, जिस पर भारत का दावा है।

भारत का मानना है कि CPEC के जरिए चीन विस्तारवाद की नीति पर चल रहा है और भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है।

भारत ने चीन के सीपीईसी का विरोध भी किया

भारत ने चीन और पाकिस्तान के बीच कथित ट्रांस-बाउंड्री वाटर रिसोर्सेज कोऑपरेशन पर भी सवाल उठाए और कहा कि दोनों देशों के बीच कोई साझा सीमा नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि उसने 1963 के चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी। इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी का इलाका चीन को सौंप दिया था, जिस पर उसने 1948 में अवैध कब्जा किया था।

बायजूस के फाउंडर रविंद्रन को 6 महीने जेल की सजा

सिंगापुर कोर्ट ने प्रॉपर्टी और पेपर छिपाने का दोषी पाया

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की पहली बड़ी एजुकेशन टेक कंपनी 'बायजूस' के मालिक बायजू रविंद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पाया कि रविंद्रन ने अपनी प्रॉपर्टी से जुड़े जरूरी कागजात छिपाए और अदालत के आदेशों को नहीं माना, जिसे 'कोर्ट की अवमानना' माना गया है। सिंगापुर कोर्ट के मुताबिक, रविंद्रन अप्रैल 2024 से लगातार अपनी संपत्तियों से जुड़ी जानकारी देने के आदेशों को नजरअंदाज कर रहे थे। जब उन्होंने बार-बार अदालत की बात नहीं मानी, तो कोर्ट ने उन्हें दोषी करार दिया और जेल भेजने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने रविंद्रन को तुरंत अधिकारियों के सामने सरेंडर करने को कहा है।

सजा के साथ-साथ रवींद्रन पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 67 लाख रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्हें यह राशि कानूनी खर्च (लीगल कॉस्ट) के तौर पर देनी होगी।

इसके अलावा, रवींद्रन को 'बीआर इन्वेस्टको पीटीई' की कानूनी मिल्कियत साबित करने वाले दस्तावेज भी कोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। यह एक कॉरपोरेट एंटिटी है, जिसके पास संबंधित कंपनी के शेयर्स हैं।

रवींद्रन के खिलाफ सिंगापुर की अदालत में यह मामला कतर के सॉवरेन वेल्थ फंड 'कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी' (QIA) की एक सहायक कंपनी ने दर्ज कराया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676